सब का सपना

निषपक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

भारत की देविका ने थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन जीता पेज: 7

कभी नहीं की थी फिल्मों में आने की प्लानिंग, सोशल मीडिया ने पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 293 | सोमवार 02 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

संत रविदास जयंती पर पंजाब को एयरपोर्ट की सौगात, पीएम मोदी बोले- उनके आशीर्वाद से बनेगा विकसित भारत

अपने संबोधन में उन्होंने इस कदम को संत रविदास को श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरु रविदास जयंती पर पंजाब के आदमपुर हवाई अड्डे का नाम बदलकर 'श्री गुरु रविदास महाराज जी हवाई अड्डा' रखा और हलवारा एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने इस कदम को संत रविदास को श्रद्धांजलि बताया और कहा कि इससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

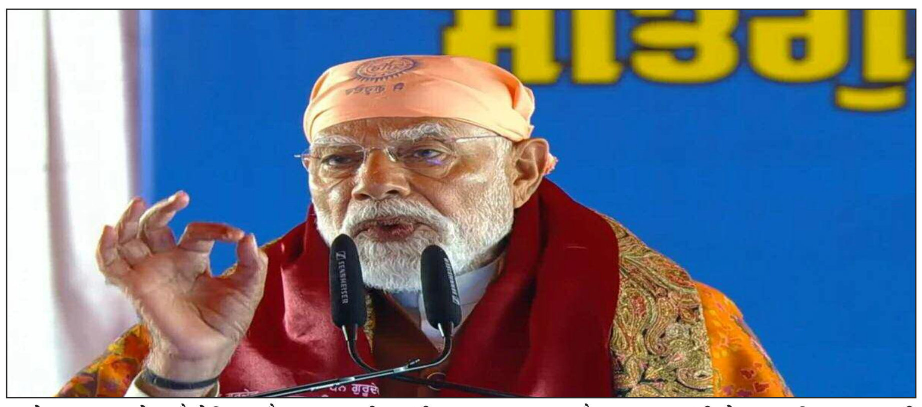

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पंजाब के आदमपुर हवाई अड्डे का दौरा किया और हवाई अड्डे का नाम बदलकर 'श्री गुरु रविदास महाराज जी हवाई अड्डा, आदमपुर' रखा। पीएम मोदी ने पंजाब के लुधियाना स्थित हलवारा हवाई अड्डे पर टर्मिनल भवन का भी उद्घाटन किया। पीएम मोदी संत गुरु रविदास की 649वीं जयंती के अवसर पर पंजाब आए थे। आदमपुर हवाई अड्डे का नाम बदलकर इस पूजनीय संत और समाज सुधारक को श्रद्धांजलि अर्पित की गई है, जिनकी समानता, करुणा और मानवीय गरिमा की शिक्षाएं भारत के सामाजिक मूल्यों को प्रेरित करती रहती हैं। पीएम द्वारा हलवारा हवाई अड्डे पर उद्घाटन किया गया टर्मिनल भवन राज्य के लिए एक नया प्रवेश द्वार स्थापित करेगा, जो लुधियाना और उसके आसपास के औद्योगिक और कृषि प्रधान क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेगा। लुधियाना जिले में स्थित हलवारा में भारतीय वायु सेना का एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्टेशन भी है। इस दौरान मोदी ने कहा कि आज माघ पूर्णिमा की पवित्र तिथि है। श्री गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती का पावन अवसर है। इस पुण्य पर्व पर आज मुझे आप सभी के बीच आने का सौभाग्य मिला है। मैं इस पवित्र मंच से श्री गुरु रविदास जी को प्रणाम करता हूं और आप सभी को औड़ सभी देशवासियों को संत रविदास जयंती और माघ पूर्णिमा की शुभकामनाएं देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप सभी जानते हैं कि मेरा रिश्ता श्री गुरु रविदास जी की जन्मभूमि काशी से है। काशी के लोगों ने मुझे आशीर्वाद दिए और सांसद के रूप में काशी की सेवा करने का भी मुझे सौभाग्य मिला। मैं जब भी सीर गोवर्धनपुर जाता हूं, बड़ी संख्या में मुझे पंजाब के भाई बहनों से मिलने का भी सौभाग्य मिलता है। मैं इस बार संत रविदास जी की प्रेरणा भूमि पंजाब की वीर भूमि पर आया हूं। मैं मानता हूं कि ये श्री गुरु रविदास जी की ईच्छा है और मेरा बहुत सौभाग्य है। मैं इस आयोजन में निमंत्रित करने के लिए डेरा सचखंड बल्ला का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में डेरा सचखंड बल्लां के कार्य बहुत सराहनीय रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य से जुड़े अनेक कार्य पूज्य संत श्री निरंजन दास जी महाराज के मार्गदर्शन में अविरत हो रहे हैं। उनके नेतृत्व में दुनिया के कई देशों में श्री गुरु रविदास जी के विचारों का प्रसार भी हुआ है। इस योगदान को सम्मान देने के लिए अभी हाल ही में हमारी भाजपा की केंद्र सरकार ने पूज्य संत श्री निरंजन दास जी महाराज को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया है। इस अवसर पर मैं उन्हें आदरपूर्वक नमन करता हूं। मोदी ने कहा कि संत रविदास जी ने हमें सेवा का जो मार्ग दिखाया है उस प्रेरणा को इससे और ऊर्जा मिली है। मैं इस स्नेह के लिए आप सभी का हृदय से बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं। अबसे थोड़ी देर पहले संत रविदास जी के नाम पर आदमपुर एयरपोर्ट का नया नामकरण हुआ है। आदमपुर एयरपोर्ट को अब श्री गुरु रविदास महाराज जी एयरपोर्ट के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा, हलवारा एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन हुआ है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि संत रविदास जी के आशीर्वाद से हम विकसित भारत के लक्ष्य को जरूर पाकर रहेंगे। आज सुबह ही संसद में देश का बजट प्रस्तुत किया गया है।

दिशाहीन, इसमें कुछ नहीं है, बंगाल को आवंटन में नजरअंदाज किया... केंद्रीय बजट पर ममता बनर्जी का तीखा रिएक्शन

नई दिल्ली एजेंसी: बजट पेश होने से पहले, आम आदमी से लेकर बाजार विशेषज्ञों तक, सभी के मन में कई तरह की अपेक्षाएं होती हैं। लोक लुभावनी घोषणा का जनता बेसब्री से इंतजार कर रही होती है। पिछले कुछ महीनों में सोने और चांदी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ गई हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए देश का आम बजट पेश किया। एक तरफ जहां केंद्रीय मंत्री अमित शाह से लेकर तमाम बीजेपी नेताओं ने बजट की सरहाना की और इसे दूरदर्शी बताया। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे दिशाहीन बताया। केंद्रीय बजट 2026-27 दिशाहीन है, इसमें दूरदर्शिता का अभाव है और बजट में आम आदमी के लिए कुछ भी नहीं है।

केंद्रीय बजट पर राहुल गांधी का तीखा हमला, बोले- सरकार ने देश के संकट को नजरअंदाज किया

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026-2027 की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह भारत के वास्तविक संकटों को नजरअंदाज करता है और सुधार के लिए कोई कदम नहीं उठाता। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र गिर रहा है, निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं और घरेलू बचत में भारी गिरावट आ रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि किसान संकट में हैं। राहुल गांधी ने कहा कि युवा बेरोजगार हैं। विनिर्माण क्षेत्र गिर रहा है। निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं। घरेलू बचत में भारी गिरावट आ रही है। किसान संकट में हैं। वैश्विक संकटों का खतरा मंडरा रहा है - इन सब की अनदेखी की जा रही है। एक ऐसा बजट जो सुधार के लिए कोई कदम नहीं उठाता, भारत के वास्तविक संकटों को नजरअंदाज करता है। केंद्रीय बजट रविवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किया गया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बजट को फीका बताया। उन्होंने कहा कि बजट भाषण में प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं के लिए बजटीय आवंटन के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हालांकि दस्तावेजों का विस्तार से अध्ययन करना आवश्यक है, लेकिन 90 मिनट के बाद यह स्पष्ट हो जाता है कि बजट 2026/27 इसके प्रचार के अनुरूप बिल्कुल भी नहीं है। यह पूरी तरह से नीरस था।

भाषण भी अपारदर्शी था क्योंकि इसमें प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं के लिए बजटीय आवंटन के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बजट में देश की गंभीर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों से निपटने के लिए नीतिगत दूरदर्शिता और राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के पास अब कोई नए विचार नहीं बचे हैं और बजट 2026 भारत की कई आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों का कोई एक समाधान नहीं देता है।

बजट 2026 को बताया दिशाहीन, खड़गे ने पूछा- कहां है 'मेक इन इंडिया'? किसान भी बेहाल

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की केंद्रीय बजट 2026 को लेकर आलोचना करते हुए कहा कि इसमें देश की गंभीर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों से निपटने के लिए नीतिगत दूरदर्शिता और राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। पर एक पोस्ट में उन्होंने सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए पूछा कि मेक इन इंडिया कहां है और दावा किया कि विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 13% पर अटकी हुई है। खरगे ने किसानों के लिए समर्थन की कमी पर भी निराशा व्यक्त की और कहा कि वे अभी भी सार्थक कल्याणकारी सहायता या आय सुरक्षा योजना की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि असमानता ब्रिटिश राज के समय के स्तर को भी पार कर गई है, लेकिन बजट में इसका उल्लेख नहीं है और न ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों को कोई सहायता प्रदान की गई है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोदी सरकार के पास अब कोई नए विचार नहीं बचे हैं। बजट2026 भारत की अनेक आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों का एक भी समाधान नहीं देता। 'मिशन मोड' अब 'चुनौती मार्ग' बन गया है। 'सुधार एक्सप्रेस' शायद ही किसी 'सुधार' जंक्शन पर रुकती है। नतीजाः कोई नीतिगत दूरदृष्टि नहीं, कोई राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं। हमारे अन्नदाता किसान अभी भी सार्थक कल्याणकारी सहायता या आय सुरक्षा योजना का इंतजार कर रहे हैं। असमानता ब्रिटिश राज के समय के स्तर को भी पार कर गई है, लेकिन बजट में इसका जिक्र तक नहीं है और न ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों को कोई सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि वित्त आयोग की सिफारिशों का और अधिक अध्ययन करना होगा, लेकिन ऐसा प्रतीत नहीं होता कि वे गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही राज्य सरकारों को कोई राहत प्रदान करती हैं। संघवाद को भारी नुकसान हुआ है। क्या गायब है और कहाँ मायने रखता हैः विनिर्माणः कोई पुनरुद्धार रणनीति नहीं; 13% पर अटका हुआ है। 'मेक इन इंडिया' कहाँ है?

बजट 2026-27 पर अमित शाह का बड़ा बयान, 'ये विकसित भारत का गोल्डन रोडमैप है'

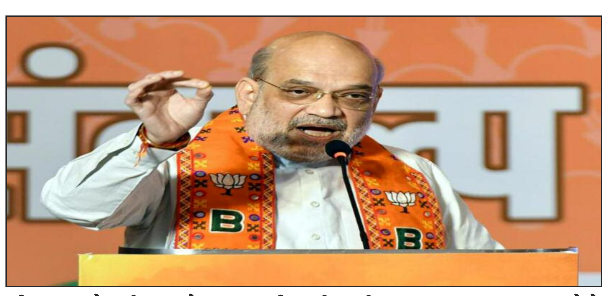

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना करते हुए इसे 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का रोडमैप बताया और अगले 25 वर्षों के लिए दिशा-निर्देश प्रस्तुत किए। एक्स पर एक पोस्ट में शाह ने कहा कि बजट यह दशार्ता है कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत का सपना केवल एक नारा नहीं बल्कि सरकार का दृढ़ संकल्प है। उन्होंने कहा कि बजट समाज के हर वर्ग, हर क्षेत्र और हर नागरिक को सशक्त बनाने के लिए एक व्यापक खाका प्रस्तुत करता है, साथ ही हर कदम पर उनका समर्थन करने के लिए एक व्यावहारिक और ठोस दृष्टिकोण भी प्रस्तुत करता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में अपना नौवां बजट पेश करने के तुरंत बाद शाह ने ये विचार व्यक्त किए। हालांकि कर स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया, लेकिन सीतारमण ने 1 अप्रैल, 2026 से नए कर अधिनियम को लागू करने की घोषणा की। भारत के इतिहास में यह पहली बार था कि केंद्रीय बजट रविवार को पेश किया गया। शाह ने एक्स पर पोस्ट किया कि केंद्रीय बजट 2026-27 के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने यह साबित कर दिया है कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि हमारी सरकार की एक दृढ़ प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि यह बजट न केवल समाज के हर वर्ग, हर क्षेत्र और हर नागरिक को सशक्त बनाने के लिए एक स्पष्ट खाका प्रस्तुत करता है, बल्कि हर कदम पर उनका समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए एक ठोस दृष्टिकोण भी सामने रखता है। विकासित भारत बजट एक ऐसे भारत के निर्माण की परिकल्पना करता है जो हर क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करे। पोस्ट में आगे लिखा गया कि विनिर्माण से लेकर अवसंरचना तक, स्वास्थ्य सेवा से लेकर पर्यटन तक, ग्रामीण विकास से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक, और खेल से लेकर तीर्थ स्थलों तक, विकसितभारतबजट हर गांव, हर कस्बे और हर शहर के युवाओं, महिलाओं और किसानों के सपनों को साकार करने में मदद करता है। हर भारतीय की ओर से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी को हार्दिक बधाई

बजट में निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु के लिए दुर्लभ खनिज गलियारे की घोषणा की

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को केंद्रीय बजट में चेन्नई के लिए हाई स्पीड रेल लिंक, पश्चिमी घाट के पोधिगई मलाई में पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ पर्वतीय मार्ग और एक दुर्लभ खनिज गलियारे समेत तमिलनाडु के लिए कई योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने पुलिकट झील के किनारे पक्षी अवलोकन पथों का निर्माण और आदिचनल्लूर के पुरातात्विक स्थल को एक जीवंत, अनुभव जन्य सांस्कृतिक गंतव्य के रूप में विकसित करने जैसी अन्य घोषणाएं भी कीं। मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ यात्री प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए, हम शहरों के बीच सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित करेंगे जो विकास को जोड़ने वाले कनेक्टर के रूप में काम करेंगे तथा हैदराबाद-चेन्नई और चेन्नई-बेंगलुरु उनमें शामिल होंगे। उन्होंने कहा, रेयर अर्थ पमार्नेंट मैग्नेट लिए एक योजना नवंबर 2025 में शुरू की गई थी। अब हम खनिज समृद्ध राज्यों--ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु को खनन, प्रसंस्करण, अनुसंधान एवं विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित दुर्लभ खनिज गलियारे स्थापित करने में सहायता देने का प्रस्ताव करते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत में विश्व स्तरीय ह्यट्रेकिंग और हाइकिंग अनुभव प्रदान करने की क्षमता और अवसर मौजूद हैं इसलिए, पश्चिमी घाट के पोधिगई मलाई में पर्यावरण के अनुकूल पर्वतीय मार्ग विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि साथ ही, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में पुलिकट झील के किनारे पक्षी अवलोकन मार्ग भी विकसित किए जाएंगे।

एनसीपी के फैसले आंतरिक, पार्थ पवार से कोई आपत्ति नहीं, ऐसा क्यों बोले देवेन्द्र फडणवीस

महाराष्ट्र एजेंसी: एनसीपी नेता सुनेत्रा पवार के महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के ठीक एक दिन बाद, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) से संबंधित निर्णय आंतरिक रूप से लिए जाते हैं। फडणवीस ने यह भी स्पष्ट किया कि पार्थ पवार का कोई विरोध नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि विलय की कोई बात चल रही होती, तो अजीत पवार ने उन्हें सूचित किया होता। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि एनसीपी के निर्णय पार्टी द्वारा ही लिए जाते हैं। हमें पार्थ पवार से कोई आपत्ति नहीं है। यदि विलय की कोई बात चल रही होती, तो अजित दादा ने मुझे बताया होता। एक दिन पहले, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता और महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की विधवा सुनेत्रा पवार ने मुंबई के लोक भवन में राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। 28 जनवरी को बारामती में विमान दुर्घटना में अजीत पवार के निधन के बाद खाली हुए पद को सुनेत्रा पवार ने संभाला। इसके साथ ही सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बन गईं। महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में सुनेत्रा पवार को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, एनसीपी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे, एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल भी उपस्थित थे। उन्हें एनसीपी विधायक दल का नेता भी चुना गया।

इसके बाद एनसीपी नेताओं ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर सुनेत्रा पवार की उपमुख्यमंत्री के रूप में नियुक्ति को अंतिम रूप दिया। वह सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण सशक्तिकरण के क्षेत्र में अपने कार्यों के लिए जानी जाती हैं।

सीएम योगी का दावा- बजट 2026 से बदलेगी युवाओं-महिलाओं की तकदीर, गिनाए कई बड़े फायदे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय बजट को 'विकसित भारत' की परिकल्पना का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह महिलाओं, युवाओं और आम जनता पर केंद्रित है। उन्होंने अवसंरचना विकास के लिए 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक के आवंटन की सराहना की, जिसमें सात नए रेल गलियारे शामिल हैं।

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि केंद्रीय बजट आम जनता पर केंद्रित है और महिला-केंद्रित है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य 2047 तक "विकसित भारत" के मिशन को हासिल करना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र ने 'विकसित भारत' का रोडमैप तैयार करते हुए आज केंद्रीय बजट पेश किया है। मैं प्रधानमंत्री मोदी को बजट दिशा-निर्देशों के मार्गदर्शन और देखरेख के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भी इस बजट को पेश करने के लिए धन्यवाद देता हूं। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि बजट में सात रेल गलियारों के निर्माण सहित अवसंरचना विकास के लिए 12 लाख रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट देश के 145 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं और आशाओं को दशार्ता है। यह 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण और मिशन का प्रतीक है। अवसंरचना विकास के लिए पूंजीगत व्यय हेतु 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है, जिसमें सात रेल गलियारों के लिए भी प्रावधान शामिल हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 में विभिन्न क्षेत्रों और सुधारों को शामिल किया गया है, जिससे आम जनता को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह बजट कामकाजी महिलाओं पर केंद्रित है, विशेष रूप से छात्रावासों के विकास पर, साथ ही गणित, विज्ञान, सांख्यिकी और उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए छात्रावासों के विकास पर भी। इससे देश के युवाओं के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिलेगा। यह सुनिश्चित करेगा कि युवाओं को हर क्षेत्र में अवसर मिलें। इसके साथ ही, इसमें कई क्षेत्रों और सुधारों को शामिल किया गया है जो आम नागरिकों के जीवन को आसान बनाएंगे। यह भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। मुख्यमंत्री योगी ने बजट का स्वागत करते हुए कहा कि इससे महिलाओं, युवाओं, किसानों, व्यापारियों और आम लोगों के लिए अनेक अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह बजट महिलाओं, युवाओं, किसानों, व्यापारियों और आम आदमी के लिए अवसर लेकर आएगा। मैं केंद्रीय बजट 2026 का स्वागत करता हूं... इस बजट का सभी को, विशेषकर मध्यमवर्गीय परिवारों को बेसब्री से इंतजार था... मैं कह सकता हूं कि यह नया बजट एक नए भारत के निर्माण की दृष्टि से, महिलाओं, युवाओं, व्यापारियों और आम लोगों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है।

इससे पहले आज, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश किया, जो उनका लगातार नौवां केंद्रीय बजट है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026-27 को युवशक्ति से प्रेरित और तीन कर्तव्य पर आधारित बताते हुए, अगले पांच वर्षों में सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, नए समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर और 20 राष्ट्रीय जलमार्गों को चालू करने का प्रस्ताव रखा।

संपादकीय

लोकलुभावन की बजाय बचत का रास्ता चुना सरकार ने

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में जब अपना 9वां बजट भाषण पढ़ना शुरू किया तो सत्ता के गलियारों में चर्चा थी कि क्या सरकार आगामी विधानसभा चुनावों या वैश्विक मंदी की आहट के बीच कोई बड़ा धमाका करेगी, लेकिन डेढ़ घंटे के बाद यह स्पष्ट हो गया कि वित्तमंत्री ने लोकलुभावन के बजाय बचत का रास्ता चुना। राजकोषीय घाटे को 4.4 प्रतिशत पर सीमित रखना बड़ी उपलब्धि तो है, लेकिन शेयर बाजार की मायूसी यह सवाल खड़ा करती है कि क्या देश की वित्तीय सेहत सुधारने की कवायद में हम विकास की रफ्तार को नजरअंदाज कर रहे हैं?

वित्तमंत्री ने राजकोषीय घाटे को 4.4 प्रतिशत पर लाकर एक कड़ा संदेश दिया कि वह देश को कर्ज के जाल से बाहर निकालना चाहती हैं। कम घाटे का अर्थ है कि सरकार को बाजार से कम उधार लेना पड़ेगा। इससे निजी क्षेत्र के लिए कर्ज की उपलब्धता बढ़ेगी और ब्याज दरों में गिरावट की संभावना बनेगी। यह वैश्विक रेटिंग एजेंसियों, जैसे मूडीज और फिच को सकारात्मक संकेत देता है, जिससे विदेशी निवेश का मार्ग प्रशस्त होता है। हालांकि, इसका नकारात्मक पक्ष यह है कि घाटे को कम करने के लिए सरकार को अपने खर्चों पर लगाम लगानी पड़ी है। यही वह बिंदु है, जहां बाजार और सरकार के हित आपस में टकरा रहे हैं। वित्तमंत्री से शेयर बाजार को उम्मीद थी कि वो अर्थव्यवस्था में नकदी बढ़ाएंगी, लेकिन बजट ने इसके उल्ट काम किया। बाजार की निराशा के तीन मुख्य बिंदु हैं। पहला, पिछले तीन वर्षों में पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखने को मिली थी। इस बार इसे केवल 10 प्रतिशत बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपए किया गया। निवेशकों को डर है कि इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निवेश कम होने से सीमेंट, स्टील और लॉजिस्टिक कंपनियों की ग्रोथ सुस्त पड़ जाएगी। दूसरा, मध्यम वर्ग और ग्रामीण आबादी के लिए किसी बड़ी टैक्स कटौती या नकद हस्तांतरण की अनुपस्थिति ने बाजार को चौंका दिया। बाजार का मानना है कि जब तक आम आदमी की जेब में अतिरिक्त पैसा नहीं आएगा, तब तक ऑटोमोबाइल और एफएमसीजी जैसे सेक्टरों में मांग नहीं बढ़ेगी। तीसरा, बाजार किसी बड़ी स्ट्रक्चरल रिफॉर्म की उम्मीद कर रहा था, जैसे कि विनिवेश का नया लक्ष्य या बैंकिंग क्षेत्र में निजीकरण की स्पष्ट समय सीमा। इन पर चुप्पी ने निवेशकों को मुनाफावसूली के लिए उकसाया। वित्तमंत्री ने नए इनकम टैक्स कानून के जरिए जटिलताओं को कम करने का प्रयास तो किया है, लेकिन करदाताओं के लिए कोई ब्रेकिंग न्यूज नहीं दी। स्टैंडर्ड डिडक्शन में मामूली बढ़ोतरी और स्लैब में छोटे बदलावों को बाजार ने अपर्याप्त माना। निवेशकों को उम्मीद थी कि लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स पर कुछ राहत मिल सकती है, जो नहीं मिली। हालांकि, वित्त मंत्री का बचाव यह हो सकता है कि वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की अस्थिर कीमतों के बीच बड़ी घोषणाएं करना जोखिम भरा हो सकता था।

चिंतन-मनन

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता।

दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो, साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रधानता है, दुनिया में उनकी कमी नहीं है। उन्हें ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से अनीति के दुःखदाई मार्ग से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु केवल दो चीजें पहचानता है- एक लोभ, दूसरा भय। दाना, घास खिला उसे ललचा कर कहीं भी ले जाइए, वह पीछे-पीछे चलेगा या लाठी का डर दिखा जिधर चाहे उधर ले जा सकते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

बजट के बाद बाजार में हाहाकार

सनत जैन

सोना चांदी और शेयर बाजार अर्श से फर्श पर...

1 फरवरी 2026 को रविवार के दिन भारत का पहली बार बजट पेश हुआ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश किया। बजट में मुख्य लक्ष्य आर्थिक वृद्धि, निवेश को बढ़ावा, टैक्स प्रणाली को सरल बनाना और विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति विश्वास को बहाल करने की कोशिश की गई है। सरकार ने पूंजीगत व्यय को बढ़ाया है। घरेलू उत्पादन और इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में निवेश बढ़े, रोजगार सृजन के अवसर को बढ़ावा मिले, बजट में इसका प्रयास किया गया है। इसका क्या परिणाम होगा यह कहना मुश्किल है। बजट प्रस्तुत होने के तुरंत बाद शेयर बाजार में हाहाकार देखने को मिला। स्टॉक मार्केट पर बिकवाली और सेंसेक्स में भारी गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी प्रमुख सूचकांक नीचे आए। कुछ कंपनियों और निवेशकों पर उच्च डेरिवेटिव टैक्स और व्यापार पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का असर शेयर बाजार में देखने को मिला है। केंद्रीय बजट में कुछ वस्तुएं महंगी हुईं, जैसे खनिज और स्क्रैप जैसे कच्चे माल पर टैक्स एवं शुल्क को बढ़ाया गया है। शराब और वायदा कारोबार पर टैक्स को बढ़ाया गया है। कुछ आवश्यक दवाइयाँ इस बजट में सस्ती करने का प्रावधान किया गया है। कैंसर और शुगर जैसी बीमारियों के उपयोग में आने वाली दवाइयों की कीमतें कम होंगी, जिससे आम जनता को राहत मिलेगी। विदेशी संपत्ति की घोषणा पर छूट और अघोषित संपत्ति पर राहत, आपराधिक मामलों और जुमार्ने में छूट दी गई है। यह सरकारी खजाने को राहत देने वाला एक बड़ा कदम हो सकता है। विदेशी आय और विदेशों में जो संपत्ति भारतीयों ने अवैध रूप से एकत्रित कर रखी है, इसकी घोषणा करने पर सरकार को भारी टैक्स मिलने की आशा है। विदेश मे संपत्ति की घोषणा करने के बाद आपराधिक मामले दर्ज नहीं किए जाएंगे। भारत सरकार ने विदेशी संपत्ति की घोषणा करने के लिए यह नया अवसर दिया है। मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता संभालने के पूर्व घोषणा की थी कि वह विदेश में जमा काला धन भारत लेकर आएंगे उस दिशा में इसे एक प्रयास के रूप में देखा जा सकता है।

आयकर दाताओं के लिए एक 6 महीने की विशिष्ट घोषणा योजना है। घोषणा करने वाले व्यक्ति की विदेशी आय/संपत्ति का मूल्य यदि 1 करोड़ तक है, वह इसे घोषित करता है, तो ऐसी स्थिति में उसे 30 प्रतिशत टैक्स प्लस 30 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स (कुल 60प्रतिशत) चुकाकर इसे भारत में घोषित कर सकता है। भारत सरकार ने ऐसे मामलों में अभियोजन से छूट देने की घोषणा की है। दूसरी श्रेणी में वे नागरिक आएंगे जिन्होंने आयकर विवरणी में आय तो घोषित की थी, लेकिन संपत्ति की घोषणा नहीं की थी। उनके लिए यह सीमा 5 करोड़ रखी गई है। 1 लाख एक मुस्त देकर दंड व अभियोजन से मुक्ति देने की घोषणा की गई है। अघोषित गैर-अचल विदेशी संपत्तियों के लिए सीमित राशि देकर अपराधिक मामले और अभियोजन से छूट का प्रावधान किया गया है। जो पहले नहीं था। केंद्र सरकार के इस प्रावधान से विदेशी निवेशकों और दीर्घकालिक भारतीय निवेशको के बीच भरोसा बहाल करने की कोशिश के रूप में बजट के इस प्रावधान को देखा जा रहा है। बजट में कुछ मामलों में टैक्स छूट से राहत दी गई है। टैक्स छूट में विदेश यात्रा, शिक्षा और चिकित्सा के लिए रेमिटेंस पर अब टीसीएस केवल 2प्रतिशत किया गया है, जिससे उन भारतीय परिवारों के लिए छूट के रूप में देखा जा रहा है, जिनके बच्चे विदेश में पढ़ाई करने या जो परिवार विदेश घूमने के लिए जाते हैं उनको राहत मिलेगी। डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट से जो परेशानी हो रही थी उसमें उन्हें राहत मिलना तय है।

कई वस्तुओं पर भी टीसीएस और टीडीएस नियमों में सुधार कर करदाताओं को राहत देने का प्रयास किया गया है। इस बजट में जो वस्तुएं और सेवाएं महंगी हुई हैं, उनमें वायदा और डेरिवेटिव बाजार पर ट्रांजैक्शन टैक्स को बढ़ा दिया गया है, जिससे ट्रेडिंग में खर्च बढ़ना तय है। इसका खराब असर शेयर बाजार और वायदा कारोबार में देखने को मिलेगा। बजट में सरकार ने खनिज, शराब जैसे उत्पादों पर टैक्स बढ़ाया गया है जिससे यह सेवाएं और वस्तुएं महंगी होगी। 2026-27 के बजट में सरकार ने आर्थिक स्थिरता, टैक्स सिस्टम में सुधार कर नियमों को आसान बनाने की कोशिश की है लेकिन जो परिवर्तन किए हैं वह बहुत मामूली हैं, इसका कोई असर देखने को मिलेगा कहना मुश्किल है। बजट में जहाँ कुछ सेवाएं और वस्तुएँ महंगी हुई हैं, वहीं कुछ सेवाएं और वस्तुएं सस्ती भी हुई हैं। जैसे विदेशी यात्रा खर्च, आवश्यक दवाईयाँ, विदेशी आय-संपत्ति की घोषणा पर आपराधिक कार्यवाही की छूट तथा दंड के प्रावधान में छूट दी गई है। सरकार को लगता है कि इस तरह के प्रावधान से विदेश में जमा काला धन और विदेशी निवेशकों के लिए भारत का बाजार आकर्षित करेगा। सरकार को इस बजट से आशा है, यह बजट विदेशी पूंजी प्रवाह और शेयर बाजार में स्थिरता लाने में मदद करेगा। इस वर्ष के बजट में ऐसा कुछ नहीं है इसके बारे में विशेष रूप से कुछ कहा जा सके। बजट भाषण में सरकार के कर्ज ब्याज की अदाएगी, टैक्स कलेक्शन में कमी, महंगाई बेरोजगारी एवं अन्य आर्थिक मामलों में इस बजट में ऐसा कुछ नहीं है जिसे किसी परिवर्तन के रूप में देखा जा सके। ऐसा लगता है कि सरकार ने बजट की औपचारिकता पूरी की है। सरकार ने विदेशी निवेशकों के लिए जो छूट के प्रावधान किए हैं, वे नाकाफी हैं। भारत की अर्थव्यवस्था की जो चुनौतियां हैं, वह बनी हुई है, महंगाई बेरोजगारी और कर्ज की समस्या से निपटने के लिए बजट में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। जो आम जनता को राहत दे सके। ऐसा लगता है, सरकार के ऊपर जो आर्थिक दबाव है, उसके चलते बजट की औपचारिकता जरूर पूरी हुई है। इस बजट से कोई नई संभावनाएं बनेंगी? ऐसा दिख नहीं रहा है।

बांग्लादेश चुनाव के साये में खून, खौफ और अस्थिरता लोकतंत्र की परीक्षा या इतिहास की पुनरावृत्ति

कांतिलाल मांडोत

बांग्लादेश एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ चुनाव लोकतंत्र का उत्सव बनने के बजाय डर, हिंसा और असुरक्षा की तस्वीर पेश कर रहे हैं। 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले देश में जिस तरह राजनीतिक हिंसा तेज हुई है, उसने न सिर्फ आम नागरिकों को भयभीत किया है बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए चिंता बढ़ा दी है। बीते 48 दिनों में 16 राजनीतिक कार्यकताओं की हत्या और सिर्फ 24 घंटे में 82 लोगों के घायल होने की घटनाएँ यह बताने के लिए काफी हैं कि हालात कितने नाजुक हो चुके हैं। राजधानी ढाका से लेकर मयमनसिंह, लालमोनिरहाट और चुआडांगा तक हिंसा की आग फैल चुकी है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया खून से सनी दिख रही है।

चुनाव की घोषणा 11 दिसंबर को हुई थी और उसी दिन से तनाव का सिलसिला शुरू हो गया। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार अब तक देशभर में 62 से अधिक चुनावी झड़पें दर्ज की जा चुकी हैं। इन घटनाओं में सबसे ज्यादा निशाना विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी के कार्यकर्ता बने हैं। मारे गए 16 लोगों में से 13 बीएनपी से जुड़े बताए जा रहे हैं। यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि उस दहशत का प्रतीक हैं जो चुनाव से पहले राजनीतिक मैदान में फैलाई जा रही है। विपक्ष का आरोप है कि यह हिंसा सुनियोजित है और इसका मकसद चुनाव को प्रभावित करना तथा मतदाताओं को डराना है।

हिंसा की प्रकृति और तरीके भी चिंता बढ़ाने वाले हैं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक 16 में से 7 राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या गोली मारकर की गई। इससे साफ संकेत मिलता है कि अवैध हथियारों की खुलेआम मौजूदगी है। जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान लूटे गए हजारों हथियारों में से अब तक बड़ी संख्या में हथियार और गोलियाँ बरामद नहीं हो सकी हैं। यही हथियार आज चुनावी हिंसा को और खतरनाक बना रहे हैं। आम लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि जब सरकार हथियारों पर नियंत्रण नहीं कर पा रही, तो निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कैसे संभव होंगे।

हालिया झड़पों की बात करें तो मयमनसिंह में बीएनपी समर्थकों और बागी उम्मीदवारों के बीच हुई हिंसा में करीब 20 लोग घायल हुए। लालमोनिरहाट में बीएनपी और जमात समर्थकों के बीच टकराव में कम से कम 11 लोग घायल हुए। चुआडांगा के आलमडांगा क्षेत्र में भी ऐसी ही झड़पें हुईं, जहाँ नौ से अधिक लोग घायल हो गए। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हिंसा अब सिर्फ दूरदराज इलाकों तक सीमित नहीं रही, बल्कि राजधानी ढाका तक पहुँच चुकी है। ढाका में एनसीपी उम्मीदवार अरिफुल इस्लाम अदीच पर हुए हमले ने यह साबित कर दिया कि कोई भी सुरक्षित नहीं है।

इस राजनीतिक हिंसा का सामाजिक असर बेहद गहरा है। चुनाव का समय आमतौर पर बहस, प्रचार और लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा का होता है, लेकिन बांग्लादेश में यह दौर डर और अस्थिरता का बन गया है। लोग घरों से निकलने में हिचक रहे हैं, व्यापार और रोजमर्रा की ज़िंदगी प्रभावित हो रही है। सबसे ज्यादा नुकसान अल्पसंख्यक समुदायों को झेलना पड़ा है। पहले हिंदू समुदाय और उनकी संपत्तियों को निशाना बनाए जाने की घटनाएँ सामने आई थीं, जिनमें कई निर्दोष लोगों की जान गई और उनके घर जलाए गए। अब राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या कर चुनावी माहौल को और जहरीला किया जा रहा है। इससे साफ है कि हिंसा का दायरा लगातार फैल रहा है और कोई भी वर्ग इससे अछूता नहीं है।

इस पूरे संकट की पृष्ठभूमि में बांग्लादेश की राजनीति का हालिया इतिहास बेहद अहम है। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के दबाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भारत आना पड़ा था। इसके बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार बनी, जिसने देश में निष्पक्ष चुनाव कराने का वादा किया। हसीना की पार्टी अवामी लीग को मई 2025 में बैन कर दिया गया, जिससे राजनीतिक संतुलन पूरी तरह बदल गया। यह चुनाव हसीना के 15 साल लंबे शासन के बाद पहली बार ऐसे हालात में हो रहा है जब सत्ता में उनकी पार्टी नहीं है और इसे निष्पक्ष चुनाव के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन मौजूदा हिंसा ने इस उम्मीद पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राजनीतिक समीकरण भी काफी जटिल हैं। बीएनपी इस समय 10 दलों के गठबंधन का नेतृत्व कर रही है, जबकि जमात 11 दलों के अलग गठबंधन के साथ मैदान में है। इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश और जतीया पार्टी जैसे दल भी चुनाव लड़ रहे हैं। इतने सारे गुटों की मौजूदगी में टकराव की आशंका पहले से ही थी, लेकिन जिस स्तर पर हिंसा हो रही है, उसने सभी को चौंका दिया है। विपक्ष सरकार पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में नाकाम रहने का आरोप लगा रहा है और कह रहा है कि प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।

विशेषज्ञों को बांग्लादेश के चुनावी इतिहास को देखते हुए डर है कि कहीं एक बार फिर खून-खराबे की पुरानी कहानी न दोहराई जाए। 1991 के चुनाव में 49 लोगों की मौत हुई थी, 2008 में 21 और 2014 में 142 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 2018 और 2023 के चुनाव भी विवादों और हिंसा से अछूते नहीं रहे थे, जिन्हें विपक्ष ने एकतरफा बताया था। ऐसे में मौजूदा हालात देखकर यह आशंका और गहरी हो जाती है कि क्या बांग्लादेश इस बार सचमुच शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव करा पाएगा।

कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि पुलिस और प्रशासन या तो दबाव में हैं या निष्क्रिय। कई मामलों में पुलिस ने राजनीतिक हत्याओं के पीछे किसी साजिश से इनकार किया है, लेकिन जमीन पर फैले डर को नकारा नहीं जा सकता। जब राजनीतिक कार्यकर्ता खुलेआम मारे जा रहे हों और दोषियों पर तुरंत कार्रवाई न हो, तो आम जनता का भरोसा कानून पर से उठना स्वाभाविक है। यही भरोसे की कमी हिंसा को और बढ़ावा देती है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बांग्लादेश की छवि दांव पर है। एक ओर अंतरिम सरकार यह संदेश देना चाहती है कि देश लोकतांत्रिक रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर सड़कों पर बहता खून इस दावे को कमजोर कर रहा है। पड़ोसी देश भारत में रह रहीं शेख हसीना को लेकर भी तनाव बना हुआ है। उन्हें वापस भेजने की मांग की जा रही है और कोर्ट द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद यह मुद्दा और संवेदनशील हो गया है। इन सबके बावजूद हिंसा का थमना यह बताता है कि समस्या सिर्फ किसी एक व्यक्ति या पार्टी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक गहरे राजनीतिक और सामाजिक संकट का रूप ले चुकी है।

आज बांग्लादेश के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह चुनाव को हिंसा से अलग कैसे रखे। लोकतंत्र की असली परीक्षा सिर्फ मतदान कराने से नहीं होती, बल्कि यह सुनिश्चित करने से होती है कि हर नागरिक बिना डर के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। अगर चुनाव खौफ के साये में होते हैं, तो उनके नतीजे चाहे जो हों, वे जनता का विश्वास नहीं जीत पाएंगे। अंतरिम सरकार, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज को मिलकर यह समझना होगा कि हिंसा किसी के हित में नहीं है।

अगर हालात पर तुरंत काबू नहीं पाया गया, तो यह हिंसा केवल चुनाव तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि लंबे समय तक देश की स्थिरता और सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुँचा सकती है। बांग्लादेश पहले ही आर्थिक चुनौतियों, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव से जूझ रहा है। ऐसे में राजनीतिक हिंसा आग में घी डालने का काम कर रही है। अब वक्त है कि सभी पक्ष जिम्मेदारी दिखाएँ, हथियारों पर नियंत्रण हो, दोषियों को सजा मिले और चुनाव को सचमुच लोकतंत्र का पर्व बनाया जाए।

बांग्लादेश का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि आने वाले दिनों में हिंसा पर कितनी सख्ती से लगाम लगाई जाती है। यह चुनाव सिर्फ सत्ता का फैसला नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि देश डर के रास्ते पर चलेगा या लोकतांत्रिक स्थिरता की ओर बढ़ेगा। इतिहास की पुनरावृत्ति होगी या एक नया अध्याय लिखा जाएगा, इसका जवाब आने वाले हफ्तों में सामने होगा।

विकसित भारत की उड़ान : बजट 2026 के आर्थिक संकल्प

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत नवीन केंद्रीय बजट को यदि समग्र दृष्टि से देखा जाए तो यह केवल एक वार्षिक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न की ठोस आधारशिला के रूप में सामने आता है। यह बजट उस रिफॉर्म एक्सप्रेस की तरह है जो बीते वर्षों में चली आर्थिक सुधारों की पटरियों पर तेज गति से दौड़ते हुए अब भारत को उच्च विकास, समावेशन और आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाइयों की ओर ले जाने का दावा करता है। तुलनात्मक, विवेचनात्मक और समीक्षात्मक दृष्टि से यह बजट पूर्ववर्ती बजटों की निरंतरता को बनाए रखते हुए कई नए आयाम भी जोड़ता है, जो इसे ऐतिहासिक और भविष्यगामी बनाते हैं।

पिछले कुछ वर्षों के बजटों की तुलना में यह बजट अधिक आत्मविश्वास के साथ सामने आता है। महामारी, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों के बीच भारत ने जिस आर्थिक मजबूती का प्रदर्शन किया है, उसका आत्मविश्वास इस बजट में स्पष्ट झलकता है। जहां पूर्व बजटों में संकट प्रबंधन और अर्थव्यवस्था को संभालने पर अधिक जोर था, वहीं यह बजट विकास की ऊंची उड़ान के लिए रनवे तैयार करता दिखता है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का मंत्र यहां नारे से आगे बढ़कर नीतिगत संरचना का रूप लेता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बजट की दृष्टि विशेष रूप से विवेचनात्मक है। चिकित्सा अवसंरचना के विस्तार, मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और डिजिटल हेल्थ के माध्यम से गांव-गांव तक चिकित्सा सुविधाएं पहुँचाने की दिशा में किए गए प्रावधान यह संकेत देते हैं कि सरकार स्वास्थ्य को केवल खर्च नहीं, बल्कि मानव पूंजी में निवेश मान रही है। यदि पिछले दशक के बजटों से तुलना की जाए तो स्वास्थ्य पर आवंटन और दृष्टिकोण दोनों में गुणात्मक परिवर्तन दिखाई देता है। यह बदलाव भारत को न केवल स्वस्थ समाज की ओर ले जाने वाला है, बल्कि उत्पादकता और आर्थिक वृद्धि को भी दीर्घकाल में मजबूती देगा।

शिक्षा के क्षेत्र में भी बजट की आत्मा दूरदर्शी है। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती तकनीकों से जुड़ी शिक्षा पर बल यह दशार्ता है कि सरकार भविष्य के भारत के लिए आज के युवाओं को तैयार करना चाहती है। पूर्ववर्ती बजटों में शिक्षा पर खर्च की चर्चा होती थी, लेकिन इस बजट में शिक्षा को रोजगार और नवाचार से जोड़ने की स्पष्ट रणनीति दिखाई देती है। यह एक ऐसा बिंदु है जहाँ यह बजट तुलनात्मक रूप से अधिक परिपक्व और व्यावहारिक प्रतीत होता है।

विकास की दृष्टि से यह बजट 'इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लस समावेशन' का मॉडल प्रस्तुत करता है। रेलवे कॉरिडोरों के विकास, लॉजिस्टिक्स को सशक्त बनाने, सड़क, बंदरगाह और शहरी अवसंरचना में निवेश को जिस तरह प्राथमिकता दी गई है, वह भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का मजबूत हिस्सा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सात रेलवे कॉरिडोर विकसित करने की घोषणा केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय संतुलन का माध्यम भी है। यदि इसे पिछले बजटों से जोड़कर देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि सरकार अब बुनियादी ढांचे को विकास का इंजन मानकर लगातार गति दे रही है।

ग्रामीण भारत के संदर्भ में यह बजट विशेष उल्लेख के योग्य है। कृषि, ग्रामीण अवसंरचना, सिंचाई, किसान कल्याण और ग्रामीण उद्यमिता से जुड़े प्रावधान यह संकेत देते हैं कि गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की मंशा केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है। मेडिकल सुविधाओं, शिक्षा और डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार से ग्रामीण भारत में जीवन की गुणवत्ता सुधरने की संभावना बढ़ती है। यह आत्मनिर्भर भारत की उस परिकल्पना को साकार करता है जिसमें गांव मजबूत होंगे तो देश स्वतः मजबूत होगा।

नारी शक्ति के सशक्तिकरण के संदर्भ में भी बजट का दृष्टिकोण तुलनात्मक रूप से व्यापक है। महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमिता, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े विशेष प्रावधान यह दशार्ते हैं कि महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की भागीदार के रूप में देखा जा रहा है। गरीबों और वंचित वर्गों के लिए लक्षित योजनाएं इस बजट को सामाजिक न्याय की दृष्टि से भी संतुलित बनाती हैं। समीक्षात्मक रूप से देखा जाए तो यह बजट कल्याण और विकास के बीच संतुलन साधने का प्रयास करता है, जो किसी भी दीर्घकालिक आर्थिक नीति की अनिवार्य शर्त है।

युवाओं के लिए यह बजट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। स्टार्टअप, नवाचार, स्किल इंडिया, रोजगार सृजन और नई तकनीकों में निवेश युवाओं की आकांक्षाओं को संबोधित करता है। यदि इसे आगामी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों के संदर्भ में देखा जाए तो यह भी स्पष्ट होता है कि बजट में क्षेत्रीय संतुलन और राजनीतिक यथार्थ का भी ध्यान रखा गया है। हालांकि आलोचक इसे चुनावी बजट कह सकते हैं, लेकिन विवेचनात्मक दृष्टि से यह कहना अधिक उचित होगा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में बजट का जन-आकांक्षाओं से जुड़ा होना स्वाभाविक है, बशर्ते वह दीर्घकालिक विकास को बाधित न करे। इस बजट में दीर्घकालिक दृष्टि और तात्कालिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन दिखाई देता है। समीक्षात्मक रूप से यह स्वीकार करना होगा कि किसी भी बजट की सफलता केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन से तय होती है। संसाधनों की उपलब्धता, राज्यों के साथ समन्वय और पारदर्शी प्रशासन इस बजट की वास्तविक परीक्षा होंगे। फिर भी, तुलनात्मक दृष्टि से यह बजट भारत की आर्थिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव प्रतीत होता है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट भारत के विकास की ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है। यह वर्तमान की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए भविष्य की संभावनाओं के लिए रास्ता तैयार करता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसंरचना, ग्रामीण विकास, नारी शक्ति और युवाओं को केंद्र में रखकर यह बजट 'विकसित भारत 2047' की दिशा में एक सशक्त कदम है। यदि इसे निरंतर सुधार, जवाबदेही और समावेशी क्रियान्वयन का साथ मिला, तो यह बजट इतिहास में केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव के रूप में याद किया जाएगा।

हसनपुर में श्रद्धा के साथ मनाई गई संत शिरोमणि रविदास जयंती

महापुरूषों के विचार ही समाज का असली पथ प्रदर्शनः- रामवीर

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- समाज में समानता, प्रेम और मानवता का संदेश देने वाले महान समाज सुधारक एवं संत शिरोमणि रविदास की जयंती पूरे शहर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इसी क्रम में, नगर में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज सेवा समिति और से एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने एकत्रित होकर संत रविदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। अखिल भारतीय अम्बेडकर संघ के अध्यक्ष एवं शोभायात्रा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रामवीर सिंह ने कहा कि महापुरुषों के विचार

ही समाज का असली पथ-प्रदर्शन है। उन्होंने संत रविदास के जीवन संघर्ष और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत रविदास जी एक ऐसे युगद्रष्टा थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज की कुरीतियों को मिटाने और दलित-शोषित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। रामवीर सिंह ने आगे कहा कि संत रविदास ने जात-पात और छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध आवाज उठाई और 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का कालजयी संदेश देकर यह सिद्ध किया कि भक्ति के लिए आडंबर नहीं, बल्कि शुद्ध अंतःकरण की आवश्यकता होती है। आज के समय में उनके विचार और भी प्रासंगिक हो गए हैं। यदि हम उनके बताए मार्ग पर चलें, तो समाज में व्याप्त भेदभाव को पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है।" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चैयरमेन राजपाल सिंह सैनी द्वारा सामाजिक एकता पर बल दिया गया। उन्होंने जोर दिया कि संत रविदास किसी एक विशेष वर्ग के नहीं, बल्कि पूरी मानवता के पथ-प्रदर्शक थे। उन्होंने एक ऐसे 'बेगमपुरा' (दुख से रहित शहर) की कल्पना की थी, जहाँ कोई भी भूखा न रहे और सभी को समान अधिकार प्राप्त हों।इस शोभायात्रा कार्यक्रम में वक्ताओं ने युवाओं से अपील की कि वे महापुरुषों के बताए सद्मार्ग पर चलें और शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने का संकल्प लें। इस अवसर पर मुख्य रूप से अखिल भारतीय अम्बेडकर संघ के महामंत्री विनोद कुमार गौतम, विशिष्ट अतिथि लता सागर,संत शिरोमणि महाराज रविदास सेवा समिति के अध्यक्ष फतेह सिह, मनोज कुमार, धर्मवीर पंडित जी,गौतमबुद्ध जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम, पूर्व सभासद अरविंद कुमार अन्ना,जाटव सभा के अध्यक्ष जगवीर सिंह मौर्य,लवी सागर,नवाब सैफी,अंकुर सेठी, मुकेश जाटव,रूपराम सिंह, करणवीर सिंह, मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

डीएम निधि गुप्ता ने स्थलीय निरीक्षण कर परखा कार्यों का औचित्य

अमरोहा (सब का सपना):- नगर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित NCAP (National Clean Air Programme) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आज दिनांक 31 जनवरी 2026 को जिलाधिकारी निधि गुप्ता द्वारा नगर पालिका परिषद गजरौला के विभिन्न स्थलों का सघन भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रस्तावित विकास कार्यों की पात्रता और उनके औचित्य का स्थलीय निरीक्षण करना रहा। जिलाधिकारी द्वारा फाजलपुर फाटक पर प्रस्तावित निर्माण कार्यों तथा भानपुर रोड स्थित फायर स्टेशन के बाहर साइड साइड पटरी की भौतिक स्थिति का गहन अवलोकन किया गया। निरीक्षण के अगले चरण में हसनपुर रोड स्थित रियासत की वर्कशॉप वार्ड संख्या 18 चौपले पर प्रस्तावित दो प्रमुख निर्माण कायर्यों के औचित्य के लिए किया निरीक्षण। जिलाधिकारी ने मौके पर यह सुनिश्चित किया कि ये कार्य जनहित में योग्य है अथवा नहीं। इसके अतिरिक्त, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) के बाहर नगर पालिका द्वारा हाल ही में निर्मित कराई गई साइड पटरी का भी भौतिक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर स्थलीय निरीक्षण के दौरान नगर पालिका परिषद गजरौला के अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य, पूर्व विधायक नगर स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह, लिपिक ललित कुमार व आदि उपस्थित रहे।

गजरौला पुलिस ने चार वारंटियों को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय किया पेश

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश अनुसार चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए गजरौला पुलिस ने चार वांछित वारंटियों को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। गिरफ्तार किए गए वारंटी अभियुक्तों में अतंराम पुत्र गंगासहाय, निवासी नसीरपुर थाना डिडौली जिला अमरोहा,प्रीतम सिंह पुत्र परम सिंह

निवासी फरीदपुर ऊर्फ नसीरपुर थाना डिडौली जिला अमरोहा, हरवीर पुत्र रोहताश निवासी सुल्तानठेर मोहम्मदपुर थाना गजरौला जिला अमरोहा एवं गजेंद्र पुत्र नरोत्तम सिंह निवासी वसंत विहार थाना गजरौला जनपद अमरोहा शामिल हैं।

जानकारी देते हुए थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बिगाड़ने एवं उसका उल्लंघन करने वालों को कतयी बख्सा नहीं जाएगा। कानून व्यवस्था खराब करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

राज्य मंत्री के0पी0 मलिक ने ग्राम पंचायत मुकारी में आयोजित ग्राम चौपाल में किया प्रतिभाग

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन एवं जनपद के प्रभारी मंत्री के0पी0मलिक द्वारा ग्राम पंचायत मुकारी में आयोजित ग्राम चौपाल में भाग लिया। इससे पूर्व नव निर्मित तहसील अमरोहा के अनवासीय भवन का निरीक्षण किया गया। राज्यमंत्री द्वारा नवनिर्मित तहसील अमरोहा का भ्रमण किया गया जिसमें मुख्य भवन एवं हवालात का निरीक्षण तथा पूरे परिसर का भ्रमण किया गया। वर्तमान में नवनिर्मित तहसील भवन में साफ-सफाई, स्ट्रीट लाईट पोल पर पेंटिंग एवं पैनल इत्यादि का कार्य चल रहा था। मंत्री द्वारा साफ-सफाई, वुडन पोलीस, स्ट्रीट लाईट पोल पर पेंटिंग एवं पैनल इत्यादि कार्य एक सप्ताह में पूर्ण कर क्रियाशील करने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने चौपाल में ग्रामवासियों से कहा कि आपके बीच आने का उद्देश्य है आपकी समस्याओं को

सुनकर निराकरण करना और आपके सुझाव प्राप्त करना। कहा कि आज सभी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लाभार्थियों को मिल रहा है। इस अवसर पर उन्होंने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और छोटे बच्चों का अन्नप्राशन भी किया।कार्यक्रम में आयुष्मान कार्ड, आवास के लाभार्थी को चाबी, व्यक्तिगत शौचालय के लाभार्थी को स्वीकृति प्रमाण पत्र, उत्कृष्ट सफाई कर्मचारी को प्रशस्ति पत्र और ग्राम पंचायत लाइब्रेरी में पढ़कर सीआरपीएफ में चयनित सुहेब को सम्मानित किया। इसके साथ सीआईएफ के तहत समूह की महिलाओं को 1.5 लाख धनराशि के प्रमाण पत्र वितरण किए। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने कुछ समस्याएं बताई जिसपर मंत्री द्वारा संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। ग्राम के सभी घरों में शतप्रतिशत कनेक्शन करवाने के निर्देश अधिशासी अभियंता जल निगम को दिए। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने गांव को स्वच्छ-सुंदर बनाने में सहयोग करने और जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की। उन्होंने उपस्थित समूहों की दीदियों को बड़ा कार्य करने की योजना बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि आपको इसके लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। ब्लॉक प्रमुख गुरिंद्र सिंह ढिल्लो ने विकसित भारत जी राम जी के बारे में बताया कि अब 100 दिन की जगह 125 दिन का रोजगार मिलेगा और समय से भुगतान किया जाएगा। उन्होंने उपस्थित सभी से इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी पुनीत कुमार, शुभम चौधरी, ग्राम प्रधान अजय सिंह सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी, पार्टी पदाधिकारी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

राज्य मंत्री के0पी0 मलिक ने पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पचोकरा का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन एवं जनपद के प्रभारी मंत्री के0पी0मलिक द्वारा पीएम कंपोजिट विद्यालय पचोकरा का निरीक्षण किया गया और विद्यालय में कंप्यूटर लैब और बाल वाटिका का फीता काटकर उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने उपस्थित ग्रामवासियों से कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं, इनमें से कोई आगे चलकर डॉक्टर इंजीनियर, वैज्ञानिक बनेगा, इसलिए अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा, संस्कार और तहजीब दे, ताकि आना वाली

पीढ़ी एक बेहतर समाज का निर्माण करें। मंत्री द्वारा बच्चों से संवाद कर मेहनत और लगन से पढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि कामयाब होकर गांव और परिवार का नाम रोशन करें। इसके साथ उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ खेल पर विशेष ध्यान देने की बात कही जिससे बेहतर स्वास्थ्य के साथ कामयाब होकर देश का नाम करें। शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लो ने कहा कि सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में मूलभूत परिवर्तन किए हैं। बेसिक में कायाकल्प कर विद्यालयों को सुविधाओं से लेस किया गया है। नकलविहीन परीक्षा कराने के साथ सभी मंडलों में यूनिवर्सिटी बनाने का कार्य किया है।

कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है और और सभी को एक बेहतर वातावरण मिल रहा है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी पुनीत कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी, शिक्षक, स्कूली बच्चे एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया संत रविदास का जन्मोत्सव

अमरोहा(सब का सपना):- संत रविदास जन्मोत्सव समिति अमरोहा के सौजन्य से महान संत गुरु रविदास का जन्मोत्सव मोहल्ला छेवड़ा में धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर समिति ने एक शाम संत रविदास के नाम कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें मोहल्ले के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजकुमार अरुण और निखिल जैन उपस्थित रहे। रविवार को गुरु रविदास की शोभायात्रा संत रविदास मंदिर से शुरू हुई, जिसका शुभारंभ वरिष्ठ समाजसेवी हरि सिंह मौर्य, विधायक धनोरा राजीव तरारा, चेयरमैन शशि जैन और राजकुमार अरुण ने संयुक्त रूप से किया। यह शोभायात्रा मोहल्ला छेवड़ा से होते हुए अंबेडकर धर्मशाला, डॉक्टर अंबेडकर

पार्क, आर्य समाज मंदिर, गांधी मूर्ति, और ट्रांसपोर्ट चौराहे से होते हुए मुख्य बाजार में घूमते हुए रविदास मंदिर पर समाप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी सिंह मौर्य ने की। कई वक्ताओं ने संत रविदास के जीवन संघर्ष और उनके दर्शन पर प्रकाश डाला और उनके योगदान को सराहा। अंत में अध्यक्ष डॉ. मुनेंद्र मोहन ने सभी का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम का समापन किया। समारोह का संचालन मास्टर वरण सिंह और महेश योगाचार्य ने किया। इस अवसर पर समिति के सदस्य डॉ. मुनेंद्र मोहन, कृष्ण पाल सिंह, कपिल देव, वरण सिंह, महेश कुमार, योगाचार्य, जॉनी कुमार, नितिन कुमार, हेतराम सागर, दिवेश कुमार सभासद आदि लोग उपस्थित रहे।

गजरौला में भाजपा कार्यकर्ता के आवास पर रामायण के अखंड पाठ का समापन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में भाजपा कार्यकर्ता विचित्र भाटी के आवास पर रामायण के अखंड पाठ एवं धार्मिक अनुष्ठान का कार्यक्रम श्रद्धा भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न कराया गया। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व आयोजक के रूप में पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर व धनौरा विधानसभा विधायक राजीव तरारा ने भगवान शिव की प्रतिमा पर विधिवत माल्या अर्पण कर एवं अखंड ज्योत के समक्ष माथा टेककर ईश्वर से जनकल्याण की कामना करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। बता दें कि कार्यक्रम के संयोजक विचित्र

भाटी ने बीते शनिवार 31 जनवरी को सुबह करीब 9:00 बजे रामायण के अखंड पाठ का शुभारंभ पूरे विधि विधान से कराया था जिसका आज दोपहर के बाद में समापन किया गया। इस पावन अवसर पर संत शिरोमणि महाकवि रविदास की जयंती भी श्रद्धापूर्वक मनाई गई ।धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए कार्यक्रम की पूर्ण आहुति हेतु कन्या एवं ब्राह्मण को प्रथम भोग अर्पित किया गया इसके बाद विशाल भंडारे का भी शुभारंभ कराया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, धनोरा विधायक राजीव तरारा, डॉ उत्तम सिंह प्रजापति, पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं पूर्व जिला मंत्री महेश प्रधान ,डॉक्टर दीपक गंगवार, अंकुर नागर ,डॉक्टर रवि भूषण शर्मा, सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।कार्यक्रम ने सामाजिक समरसता और धार्मिक एकता का सुंदर संदेश दिया।

धनौरा क्षेत्र में मकान पर कब्जे का विरोध करने आये प्रधान पति पर हमला,घायल

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मकान पर अवैध कब्जे का विरोध करने आए वर्तमान प्रधान पति पर एक पक्ष ने हमला कर दिया। इस दौरान वर्तमान प्रधानपति गंभीर रूप से घायल हो गए। मामले की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच में जुट गई। बता दें कि पूरा मामला थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव हैबतपुर चौधरियान का है जहां पर रविवार को मकान पर कब्जे के विवाद में बीच बचाव करने आए वर्तमान प्रधानपति एहसान अली पर दूसरे पक्ष ने हमला कर दिया। इस दौरान उनकी आंख में भी गंभीर चोट आई है। इस मामले में जानकारी देते हुए हैबतपुर चौधरियान के प्रधान पति ऐहसान अली ने बताया कि गांव में एक मकान को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है जिसका मामला

न्यायालय में भी विचाराधीन है आरोप है कि एक पक्ष गांव के ही एक कमजोर व्यक्ति के मकान से सामान को बाहर फेंक कर उस पर जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहा था, जब एहसान अली ने इस अवैध कब्जे का विरोध किया और मामला न्यायालय में लंबित होने की बात कही तो आरोपी पक्ष आग बबूला हो गया और आरोपियों ने उन पर लाठी डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया, इस हमले में उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। घायल अवस्था में उन्हें स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद आंख की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। एहसान अली ने बताया कि वह एक गरीब परिवार की मदद कर रहे थे जिसके कारण उन पर यह हमला किया गया है। इस मामले में एस एस आई सतीश कुमार ने बताया कि घटना में घायलों का चिकित्सक परीक्षण कराया जा रहा है और मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

धनौरा एसडीएम ने की 'नो मेपिंग' श्रेणी के मतदाताओं की सुनवाई

एसआईआर शुद्धिकरण अभियान के तहत प्रशासन ने बढ़ाई सक्रियता

धनौरा/अमरोहा(सब का सपना):- मतदाता सूची के पुनरीक्षण एवं शुद्धिकरण अभियान के तहत प्रशासन द्वारा अपनी सक्रियता को बढ़ा दिया गया है, जिसके तहत मंडी धनौरा एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने सेरकपुर और सुजमना गांव के प्राइमरी स्कूलों का औचक निरीक्षण कर 'नो मैपिंग' श्रेणी में आए मतदाताओं के मामलों की सुनवाई करते हुए गहनता से जांच की। बता दें कि हाल ही में एसआईआर (SIR) सिस्टम के माध्यम से मतदाता सूची की गहन तकनीकी जांच की गई थी। इस डिजिटल ऑडिट में बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता चिन्हित किए गए, जिनकी मैपिंग स्पष्ट नहीं थी या जिनके निवास स्थान को लेकर तकनीकी विसंगतियां पाई गई थीं।सूची को पूरी तरह त्रुटिहीन और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से

प्रशासन ने इन सभी संबंधित व्यक्तियों को पूर्व में ही नोटिस जारी किए थे। सुनवाई के दौरान एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने मतदाताओं से उनके निवास और नागरिकता से संबंधित मूल दस्तावेजों की मांग की।एसडीएम ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुसार, किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में नहीं रहना चाहिए और न ही किसी पात्र नागरिक का नाम कटना चाहिए। जिन मतदाताओं के रिकॉर्ड में विसंगतियां थीं, उन्हें अपनी सत्यता सिद्ध करने का अवसर दिया गया।इस प्रक्रिया के दौरान गौरव शर्मा भी मौजूद रहे,

जिन्होंने तकनीकी पहलुओं और डेटा मिलान में सहयोग किया। प्रशासन का मुख्य ध्यान उन मतदाताओं पर है जो लंबे समय से क्षेत्र से बाहर रह रहे हैं या जिनके पते डिजिटल मैप से मेल नहीं खा रहे हैं।एसडीएम ने बीएलओ (BLO) को कड़े निर्देश दिए कि वे घर-घर जाकर भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया को समय सीमा के भीतर पूरा करें। प्रशासन की इस कार्रवाई से उन लोगों में हलचल है जिन्होंने गलत तरीके से वोट बनवा रखे हैं, वहीं आम जनता ने सूची के शुद्धिकरण के इस कदम की सराहना की है।

हिंदी दैनिक
सब का सपना
संभल/अमरोहा
अमरोहा
सोमवार 02 फरवरी 2026
www.sabkasapna.com

धूमधाम से मनाई गई संत शिरोमणि रविदास जयंती, निकली भव्य शोभायात्रा

संत रविदास जयंती पर भव्य झांकियां निकाली गई, पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था में कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न

सम्भल(सब का सपना) विकासखंड की ग्राम पंचायत लखौरी जलालपुर में रविवार को संत शिरोमणि रविदास जयंती श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक समरसता के माहौल में धूमधाम से मनाई गई। इस विशेष अवसर पर गांवभर में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और युवा श्रद्धालु एकत्रित हुए और आयोजन में भाग लिया। आयोजन के दौरान भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती और संत शिरोमणि रविदास की आकर्षक झांकियां प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहीं। झांकियों की शोभायात्रा का शुभारंभ अम्बेडकर धर्मशाला से किया गया, जो डाकखाना चौराहा, होली चौक सहित गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः अम्बेडकर धर्मशाला पर संपन्न हुई। शोभायात्रा के मार्ग में भक्तिमय गीत-संगीत और जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ झांकियों का दर्शन करने के लिए उमड़े और मार्गभर में पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए थाना नखासा प्रभारी संजीव कुमार बालियान पुलिस फोर्स के साथ शोभायात्रा में लगातार मौजूद रहे, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरी सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। पुलिस प्रशासन की सक्रियता और सहयोग से कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्वक और व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के आयोजक किशनपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि संत शिरोमणि रविदास जयंती का आयोजन हर वर्ष परंपरागत रूप से किया जाता है। उन्होंने कहा कि संत रविदास ने समाज को समानता, भाईचारा और मानवता का संदेश दिया, जिसे आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के आयोजनों की आवश्यकता है। आयोजकों ने सफल आयोजन के लिए ग्रामीणों के सहयोग और पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं, युवाओं और ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा गया, जिन्होंने इस आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। इस दौरान गोपाल सिंह, जय सिंह, मनोहर चंद्रपाल सिंह, समय सिंह, मदनपाल, रामकिशोर, मुकेश फौजी, बृजपाल सिंह, प्रमोद कुमार, राजेश कुमार, सोनू कलुआ सहित अन्य सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- शनिवार को जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदौसी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निमार्णाधीन 50 बेड के क्रिटिकल केयर यूनिट का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को ईंटों के परीक्षण का निर्देश दिया। इसके अलावा, स्वास्थ्य केंद्र परिसर में स्थित आवासों की मरम्मत और साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए भी आदेश दिए। डॉ. पैंसिया ने स्वास्थ्य केंद्र परिसर में रखी निष्प्रायोज्य पुरानी एम्बुलेंसों को निर्धारित स्थान पर रखने के लिए नगर पालिका के अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही, होम्योपैथी चिकित्सालय और अस्पताल के 1916 ई. के पत्थर की साफ-सफाई की व्यवस्थाएं चेक की और नगर पालिका के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने इमरजेंसी वार्ड, नेत्र परीक्षण कक्ष, ओपीडी, प्रेरणा कैंटीन और डायलिसिस यूनिट का भी निरीक्षण किया, तथा महिला विंग और पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती बच्चों की माताओं से संवाद कर साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं पर ध्यान देने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, सीएचसी चंदौसी प्रभारी डॉ. हरविंदर सिंह, डॉ. गौरी एवं अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

लावारिस हालत में मिला बच्चा, पुलिस ने परिजनों से मिलाकर किया सुपुर्द

हयातनगर/ सम्भल (सब का सपना):- शनिवार को एक बच्चा, जो अपना नाम नितिन और पिता का नाम मनवीर बता रहा था, थाना हयातनगर क्षेत्र के तेजराम की कोठी, सरायतरीन के पास लावारिस हालत में घूमते हुए पाया गया। बच्चा अजनबी हालत में देखकर स्थानीय लोगों ने उसकी सूचना पुलिस को दी। सुरक्षा के द्दष्टिगत बच्चें को तत्काल थाना लाया गया और पुलिस ने सोशल मीडिया और फोन के माध्यम से उसकी पहचान और परिजनों की जानकारी जुटाने का प्रयास किया। पुलिस की तत्परता से बच्चे के परिजनों से संपर्क किया गया और थाना परिसर में बच्चे के दादी सुषमा देवी (पत्नी बुद्धसैन, निवासी ग्राम कैली, थाना हयातनगर) और चाचा जितेन्द्र कुमार (पुत्र छत्रपाल, निवासी पीलाखदाना, सरायतरीन, थाना हयातनगर) को बुलाया गया। परिजनों ने आकर बच्चे को सकुशल वापस लिया और राहत की सांस ली। बच्चा अब अपने परिवार के पास सुरक्षित और खुशहाल है। यह घटना पुलिस प्रशासन की तत्परता और स्थानीय समुदाय की जागरूकता का उदाहरण बनी, जिससे एक लावारिस बच्चा अपने परिवार से पुनः जुड़ सका।

संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ, मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने किया उद्घाटन

गुन्नौर/सम्भल(सब का सपना):- विकासखंड गुन्नौर में रविवार को संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ किया गया। यह अभियान 28 जनवरी 2026 से 14 अप्रैल 2026 तक चलेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री श्री धर्मवीर प्रजापति, विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अनामिका यादव, पूर्व मंत्री अजीत कुमार यादव और भाजपा के जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू रहे। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और फीता काटकर की गई, इसके बाद छात्राओं द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के स्टालों का अवलोकन भी किया गया, जिसमें आईसीडीएस, बेसिक शिक्षा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और स्वास्थ्य विभाग शामिल थे। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने संपूर्णता अभियान 2.0 के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और इसके अंतर्गत 6 संकेतांकों के बारे में बताया। साथ ही, उप कृषि निदेशक डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी और जिला विकास अधिकारी राम आशीष ने जैविक खेती और टीकाकरण के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने पिछले साल की उपलब्धियों पर बात की और संपूर्णता अभियान को प्राथमिकता देने की बात कही। प्रभारी मंत्री ने जल संरक्षण और पॉलिथीन के उपयोग को कम करने पर जोर दिया और लोगों से कपड़े के थैले इस्तेमाल करने की अपील की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, प्रभागीय वनाधिकारी प्रीति यादव, ब्लॉक प्रमुख हनी यादव सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का समापन समारोह, यातायात नियमों के पालन के निर्देश

सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार, जन जागरूकता बढ़ाने की अपील

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का समापन शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित बहजोई में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक के के विश्नोई उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों को पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में यातायात के नियमों की महत्ता को लेकर जिलाधिकारी ने जनसमूह को संबोधित किया और सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर जागरूक किया। उन्होंने सभी को सड़क पार करते समय दायीं ओर देखकर सड़क पार करने, बिना वैध लाइसेंस वाहन न चलाने, 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वाहन न चलाने, और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने की सलाह दी। इसके अलावा, उन्होंने वाहन में बैठते समय शरीर का कोई अंग बाहर न निकालने की अपील भी की। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जनपद के एनएसएस, एनसीसी, स्काउट गाइड के छात्रों तथा ग्राम प्रधानों द्वारा किए गए योगदान के सम्मान में उन्हें प्रशस्ति-पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने यातायात नियमों के पालन की शपथ ली। समापन के दौरान सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी अमिताभ चतुर्वेदी ने सभी उपस्थित व्यक्तियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और कार्यक्रम का समापन किया।

हिन्दू सम्मेलन में गौ सेबा संस्थान के पदाधिकारियों को किया गया सम्मानित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- इस्लामनगर रोड स्थित चन्द्र पाल स्कूल में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (R.S.S) द्वारा आयोजित हिन्दू सम्मेलन में गौ सेबा संस्थान के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। सम्मेलन के दौरान गौ सेबा संस्थान के अध्यक्ष विकास वार्ष्णेय,संरक्षक उमंग वार्ष्णेय, और अन्य प्रमुख सदस्यों को मंच पर बुलाकर स्मृति चिन्ह के रूप में सील्ड प्रदान किए गए। सम्मानित होने वालों में आकाश दीप बजाज, रफ्तार भाई, केशव और विशाल गुप्ता भी शामिल थे। इस अवसर पर विकास वार्ष्णेय ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का धन्यवाद करते हुए कहा कि गौ सेबा संस्थान ने कई घायल गौ माता का उपचार किया है, और घायल पशुओं के इलाज में विशेष योगदान दिया है। उन्होंने विशेष रूप से गायों के इलाज में झटका मशीन के खिलाफ उठाए गए मुद्दे पर चर्चा करते हुए बताया कि हनुमान रूपी बंदर की रक्षा के लिए भी कई प्रयास किए गए हैं।

सरस्वती शिशु मंदिर के प्रबंधक सतीश शर्मा ने कहा कि गौ सेबा संस्थान का काम बहुत सराहनीय है और उनकी टीम ने पशु संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस सम्मान समारोह में जिला कार्यवाह अनिल शास्त्री और अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

सिल्वर स्टोन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, में वार्षिक समारोह का आयोजन

दर्शकों ने तालियों से किया विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन

सम्भल(सब का सपना):- सिल्वर स्टोन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बहजोई में शनिवार को वार्षिक समारोह का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारों दर्शकों की उपस्थिति ने विद्यालय प्रांगण को सांस्कृतिक रंगों, उत्साह और उल्लास से सराबोर कर दिया। मुख्य अतिथि के रूप में बहजोई नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू, दिवाकर गुप्ता, आलोक गोयल और बसंत शंकर ने समारोह में शिरकत की। इस मौके पर विद्यार्थियों ने गणेश वंदना, हनुमान चालीसा, शिव तांडव, दशावतार और राधा-कृष्ण नृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में सामाजिक मुद्दों पर आधारित नृत्य-नाटिकाएँ भी प्रस्तुत की गईं, जिनमें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्ति और ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित कार्यक्रम शामिल थे। इसके साथ ही हिप-हॉप फ्यूजन, बॉलीवुड रेट्रो डांस, कव्वाली और आघोरी जैसे रंगारंग कार्यक्रमों ने समां बांध दिया। प्रधानाचार्य संदीप शर्मा ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन और उनकी प्रस्तुति की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह वार्षिक समारोह विद्यालय के लिए यादगार और प्रेरणादायक रहा, जिसे सभी ने सामूहिक उत्साह के साथ समापन किया।

गजरौला में हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाई गई संत शिरोमणि रविदास की जयंती

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर में संत शिरोमणि रविदास की जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय आंबेडकर युवक संघ के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में अनुनायियों ने उनके चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित करके उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। बता दें कि रविवार को गजरौला नगर के चौपला स्थित अंबेडकर पार्क में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि संत रविदास ने हमेशा ही सामाजिक बुराईयों, ढ़ोंग, दिखावा और पाखंड के विरूद्ध अलख जगाई। अंधविश्वास के विरूद्ध भी संत रविदास का कड़ा रूख था, वे मन चंगा तो कठौती में गंगा की बात करते थे। इस अवसर पर भारतीय अम्बेडकर युवक संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश चंद्र मौर्य, पूर्व जिपं सदस्य महेश प्रधान, भाजपा अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष रामरतन सिंह, बसपा मुख्य सेक्टर प्रभारी प्रो- ओमकार सिंह, डॉ-पृथी सिंह, जयवीर सिंह, निर्मल सिंह, विजयपाल सिंह, किरनपाल सिंह, राजवीर सिंह, चेतराम सिंह, प्रीतम सिंह, दयाराम गौतम, डॉ-डीएस हर्ष, बीपी सिंह, ओमपाल सिंह, मुकेश कुमार, होरी सिंह, धर्मेश चंद्रा, सुरेन्द्रपाल सिंह, ब्रह्मपाल सिंह, गंगाशरण सिंह आदि मौजूद रहे।

पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक में सात परिवारों को मिलाया

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में और अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा व क्षेत्रधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में शनिवार को पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्र प्रभारी डॉ. रुकमपाल सिंह ने की, जिसमें काउंसलर्स की टीम ने पति-पत्नी के आपसी विवादों का समाधान सुलह और समझौते के आधार पर किया। कुल 87 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई, जिसमें 24 का निस्तारण किया गया और 7 परिवारों को मिलाया गया।

15 पत्रावलियों को आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद किया गया, जबकि 2 पत्रावलियों में विधिक कार्रवाई करने की संस्तुति की गई। बैठक में काउंसलर्स अखिलेश अग्रवाल, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, बबीता शर्मा, कंचन माहेश्वरी और अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन

आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 108 लाभार्थियों के बनाए गए गोल्डन कार्ड

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 05 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 238वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। उक्त मेला सत्रों पर 37 चिकित्सकों एवं 120 पैरा-मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2738 रोगियों (पुरुष रोगी- 1335; महिला रोगी- 965 एवं 438 बच्चों) का निःशुल्क उपचार गया। समस्त मेला सत्रों पर आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 108 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाये गये। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों पर बुखार के 221, चर्म रोग के 496, दमा के 384, मधुमेह रोग के 110, नेत्र रोग से सम्बन्धित 22, उच्च रक्तचाप के 72 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गये। बुखार के सम्बन्ध में 34 मरीजों की मलेरिया की तथा 12 रोगियों की डेंगू की जाँच की गयी; जिसमें सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट ऋणात्मक (Negative) रही। जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन (फैमिली प्लॉनिंग) सम्बन्धी परामर्श व परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री (चॉइस ऑफ बॉस्केट) के लिये अलग से एक काउन्टर बनाये गये। जिलाधिकारी के निदेशों के अनुपालन में जनपद की समस्त आशाओं के द्वारा सोर्स रिडक्सन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरुक किया गया तथा एक युद्ध नशे के विरुद्ध के अन्तर्गत 229 व्यक्तियों को तम्बाकू छोड़ो परामर्श भी दिया गया। आरोग्य मेला छात्रों पर आने वाले रोगियों में से 38 रोगियों को Telemanas Consultancy की सुविधा भी उपलब्ध कराई गयी। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों का मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया गया।

समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक कैंप कार्यालय बहजोई पर हुई संपन्न

संत रविदास व संत नरहरी दास की जयंती पर किया गया नमन, वोटर अभियान तेज करने का आह्वान

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक रविवार को कैंप कार्यालय बहजोई पर संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार संत शिरोमणि गुरु रविदास एवं संत नरहरी दास की जयंती श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई। दोनों महान संतों के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि संत रविदास ने समानता, प्रेम और सामाजिक सुधार का संदेश दिया तथा समाज में फैली कुरीतियों और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने का कार्य किया। वहीं संत नरहरी दास एक महान संत और कवि थे, जिनकी अनेक रचनाएं आज भी समाज को दिशा देती हैं। उनकी प्रसिद्ध रचना रुक्मणी मंगल स्वर्णकार समाज सहित सभी वर्गों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने भी जाति और धर्म के भेदभाव को मिटाने का कार्य किया। जिला अध्यक्ष ने बैठक में उपस्थित विधानसभा अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, वीएलए एवं कार्यकताओं से अधिक से अधिक वोट बनवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि एसएआर के दौरान जिन मतदाताओं को नोटिस मिले हैं, पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी संबंधित बीएलओ से समन्वय कर जवाब दिलवाने का काम करें। साथ ही सभी कार्यकर्ता अपने-अपने गांव, मोहल्ले और घर-घर जाकर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का अभियान चलाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग प्रधानी या जिला पंचायत का चुनाव लड़ना चाहते हैं, वे भी वोट बनवाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ पर वोट बनवाने का कार्य करें और 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी अभी से शुरू करें, ताकि समाजवादी पार्टी की सरकार बने और अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाया जा सके। बैठक में शोभित कुमार काका, सद्दाम कुरेशी, चेतन गुप्ता, ताहिर अल्लाह, उमेश यादव, रोहिन सिंह यादव एडवोकेट, रविंद्र सिंह यादव एडवोकेट, अशोक राणा एडवोकेट, निसार अहमद, जीशान सभासद, मनोज शर्मा, फराज, अशोक गुप्ता, शेख सदन, अरविंद यादव, नेताजी लायक सिंह, राजवीर यादव, नन्नू बहापुर, प्रतीक नानू, अक्षय गुप्ता, साबिर खान, जियाउर रहमान अंसारी, जमात अली खान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सफाई कर्मचारी राजीव कुमार की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। अस्पताल परिसर में आयोजित समारोह में राजीव कुमार को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा उन्हें विभाग की ओर से चिकित्सा अधीक्षक डॉ विशाल दिवाकर द्वारा 12 लाख रुपये का ग्रेजुटी का चेक दिया गया। इस मौके पर सेवानिवृत्त कर्मचारी ने अपने कार्यकाल के अनुभव और यादें साझा कीं। उन्होंने साथी कर्मचारियों और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त कर्मचारी को उनके नए जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वे अपने अनुभव का लाभ समाज को देते रहेंगे। कार्यक्रम में प्रभारी डॉ. विशाल दिवाकर, डॉ. माज शमसी, डॉ उज्ज्वल, अनमोल सिंह, प्यारे लाल, मग्न रावत, अरुण कुमार, पियूष कुमार, हितेश त्रिपाठी, संजीव कुमार, गौरव राजपूत, सनाउल हक, पूजा विश्नोई, पंकज वर्मा, अभय कुमार, सुनील कुमार ए पीओ, अभिनय एडवोकेट, कपिल कुमार, नीरज बिश्नोई, राज कुशवाहा, अनूप बाल्मीकि, मनोज बाल्मीकि समेत अन्य अधिकारी-कर्मचारी व गणमान्य मौजूद रहे।

बजट को देखकर लगता है सरकार दिव्यांग विरोधी: एम आर पाशा

बिजनौर (सब का सपना):- पिछले कई दशकों से दिव्यांगों के हकों की लड़ाई लड़ रहे राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रांड एंबेसडर निर्वाचन आयोग सदस्य जिला स्तरीय समिति बिजनौर सरकार के पेश किए गए बजट से बेहद आहत हैं। हर बार की तरह एम आर पाशा को पूरी उम्मीद थी कि इस बार सरकार के बजट में दिव्यांगों का बजट जरूर होगा लेकिन बजट में दिव्यांगों की अनदेखी कर इस सरकार ने भी यह साबित कर दिया है कि यह दिव्यांग विरोधी है। जबकि पूरे भारत में दिव्यांग जनों की संख्या 11 करोड़ से भी अधिक है। सरकार द्वारा पेश किए बजट में धनराशि बहुत ही कम है। दिव्यांगजन को उत्थान के लिए जो धनराशि दिव्यांग जनों को बजट में दी गई है वह दुगनी होनी चाहिए। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा ने सरकार द्वारा पेश किए गए बजट से आहत होकर कहा की पूरे भारत देश में दिव्यांग जनों की संख्या 11 करोड़ से अधिक है लेकिन उनको आज तक कोई भी सरकारी सुविधा नहीं मिल पा रही है दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 अभी तक लागू नहीं हो पाया है और ना ही दिव्यांग आयोग का गठन किया गया है और ना ही दिव्यांगजनों की पेंशन ड्5000 हो पाई है जो दिव्यांगों के हकों का हनन है। पूरे देश में दिव्यांग जनों के लिए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कोई भी योजना लागू नहीं की गई है, ऋण का आवेदन करते हैं तो उनको रोजगार के लिए ऋण नहीं मिल पाता है ना ही उनको सरकारी नौकरी मिल पाती है 4% आरक्षण के मुताबिक सरकारी बैक लॉक में उनको आरक्षण नहीं दिया जाता उन्होंने यह भी कहा कि आगामी चुनाव 2027 विधानसभा की तैयारी के रूप में भाजपा सरकार की हर फ्लेक्सी बैनर या सरकारी दफ्तरों के बाहर खड़े बड़े-बड़े होडिंगों पर साफ बड़े-बड़े शब्दों में लिखा हुआ है कि मोदी यानी गारंटी लेकिन दिव्यांग उत्थान के लिए किए गए मोदी सरकार द्वारा सभी वादे धनाशाह है और बजट में दिव्यांगों का बजट का बजट ना रखने से यह सब जग जाहिर है कि मोदी सरकार भी दिव्यांग विरोधी सरकार है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा भारत वर्ष के सभी दिव्यांगों को आश्वासन देते हुए कहां है कि भले ही सरकार उनके उज्जवल भविष्य के लिए कुछ भी ना कर रही हो, लेकिन ये एम आर पाशा सभी दिव्यांगों के हकों की लड़ाई अकेले ही हमेशा लड़ते रहेंगे।

मोबाइल फोन छिनने के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ में एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर में एक युवती से मोबाइल फोन छिनने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के मुताबिक युवती अपनी सहेली के साथ खरीददारी करने के बाद गांधी मूर्ति के पास नाले के किनारे पैदल जा रही थी, तभी दो अज्ञात युवकों ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया और भाग गए। घटना की तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने घटना के शीघ्र अनावरण के लिए टीमों का गठन किया। पुलिस के अनुसार रात करीब 8 बजे अलेदादपुर रोड तिराहे पर चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध को देखा। पुलिस को देखकर आरोपी पीछे मुड़कर भागा और पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी और उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी ने अपना नाम फुरकान बताया है। पूछताछ में फुरकान ने मोबाइल छिनैती की घटना स्वीकार की और बताया कि उसने अपने साथी जैद के साथ मिलकर यह अपराध किया था। पुलिस ने फुरकान के कब्जे से छीना गया वीवो मोबाइल फोन तथा एक अवैध तमंचा 12 बोर मय 01 जिन्दा व 01 खोखा कारतूस बरामद किया। घायल अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसके साथी जैद की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत

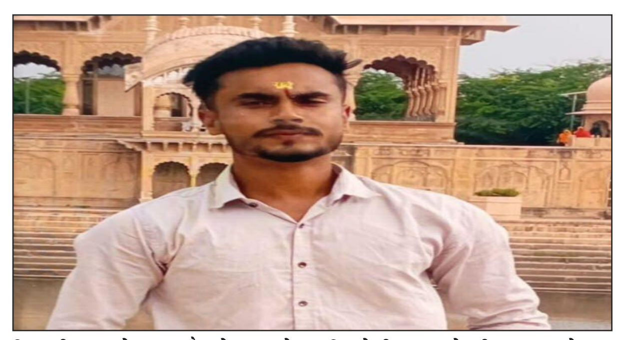

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नूरपुरझमुरादाबाद स्टेट हाईवे पर शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की जान चली गई। अज्ञात वाहन की टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि टक्कर मारने वाला चालक वाहन समेत फरार हो गया। घटना गोहावर क्षेत्र में अस्करीपुर और गोहावर के बीच स्थित ग्रीन बैली होटल के सामने रात करीब एक बजे हुई। मृतक की पहचान सुमित कुमार (26 वर्ष), पुत्र रमेश सिंह, निवासी ग्राम गोहावर जैत के रूप में हुई है। बताया गया कि सुमित देहरादून से अपनी स्कूटी द्वारा घर लौट रहा था। घर से महज दो किलोमीटर पहले ही वह हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना के बाद करीब आधे घंटे तक सुमित का शव सड़क पर ही पड़ा रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नूरपुर भिजवाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक विकास कुमार तेवतिया ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस फरार वाहन और चालक की तलाश में जुटी है। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

संत शिरोमणि रविदास की 649वी जयंती पर निकाली शोभा यात्रा

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के पावन पर्व पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बैंडबाजों और मन मोहक झांकियों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे। संत रविदास के 649 वें जन्मोत्सव पर शोभायात्रा शहर के मोहल्ला गुंगी सराय से शुरू होकर काले खां पम्प, आरएसपी इंटर कॉलेज, बड़ी रियासत, ठाकुर मंदिर, पीर का बाजार आदि स्थानों से झांकियां निकाली गई, जो बाद में चामुंडा पर पहुंची। शोभायात्रा में संत रविदास के जीवन को उकेरती हुई 14 मनमोहक झांकियां, बैंड, ढोल नगाडे, अखाड़े,डीजे के साथ बड़ी संख्या में भीड़ शोभायात्रा में शामिल रही। कार्यक्रम में आये सभी अतिथियों का स्वागत और सम्मान किया गया। जिसमें धामपुर विधायक के सुपुत्र प्रियंका राणा ,उदित राणा, ब्लाक प्रमुख उज्जवल चौहान, समाजसेवी डॉ मनोज कुमार वर्मा , डा एच. एस. कालरा,डा विनीत देवरा ,पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष भाजपा मनोज भटनागर पूर्व सभासद शैंकी रस्तोगी आदि रहे। शोभायात्रा में अन्य झांकियों के साथ दर्शकों को आकर्षित करती संत शिरोमणि रविदास तथा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की झांकियां भी मौजूद थी। शोभायात्रा का जगह-जगह अनेक समाजसेवियों ने स्वागत किया। शोभायात्रा में कमेटी की ओर से शिरोमणि संत रविदास कमेटी के अध्यक्ष विजयपाल सिंह, डॉ वीर सिंह, विकास उर्फ मोनू, महिपाल सिंह ,कमेटी के सदस्य विजयपाल सिंह ,विकास कुमार, नेरश कुमार गौतम कुमार, जोगेन्द कुमार, वीर सिंह, मनीष कुमार, अशोक कुमार, गौरव कुमार, सतपाल सिंह, मानूं सागर, कपिल कुमार, मिंटू कुमार, नीटू सिंह, संजीव कुमार, विमल कुमार, धर्मपाल सिंह, आदि लोग मौजूद रहे ।

भागवत कथा के तीसरे दिन भगवान शिव माता पार्वती के विवाह प्रसंग का किया गया वर्णन

शेरकोट /बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गाँव हाफिजाबाद स्थित बड़े शिव मंदिर में चल रही भागवत कथा के तीसरे दिन श्रद्धा और भक्ति का वातावरण बना रहा। कथा वाचक पंडित जितेन्द्र वशिष्ठ ने भगवान शिव एवं माता पार्वती के पावन विवाह प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कथा के माध्यम से दाम्पत्य जीवन में प्रेम, त्याग और समर्पण के महत्व को बताया, जिससे श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के दौरान भजनों और जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजन में आकाश प्रजापति, काशी, गगनदीप चौहान, नितिन चौहान, सौरभ शर्मा, तरुण, वीर सिंह, जितेन्द्र राजपूत, शेखर चौहान, संदीप चौहान, सदन सिंह, रोहिताश सिंह, चंचल चौहान आदि समेत अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

हिंदू समाज के लोगों से जात पात से ऊपर उठकर एकजुट होने का आह्वान

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- विराट हिंदू सम्मेलन में वक्ताओं द्वारा हिंदू समाज के लोगों से जात पात से ऊपर उठकर एकजुट होने का आह्वान किया गया, सम्मेलन में हजारों हिंदू शामिल हुए। रविवार को हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति (लव कुश बस्ती व माधव बस्ती) के तत्वावधान में कृष्ण वेंकट हाल में मनोज वाल्मीकि व महेंद्र सैनी के संयुक्त अध्यक्षता व अनिल राणा के संचालन में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महंत बच्चा बफार्नी ने कहां की देश है तो धर्म और समाज है। अपने उद्देश्यों को लेकर आरएसएस और हिंदूवादी संगठन के साथ-साथ साधु संत भी सनातन हिंदू समाज को जगाने के कार्य में लगे हुए हैं। इसलिए देश भर में 80 हजार ऐसे कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं बाबा बफार्नी ने कहां की माता बहने अपनी वेशभूषा को समझे और वहीं पोशाके पहने जो हमारा पहनावा है। वह पहनावा ना पहने जो भारतीय संस्कृति और देश को शर्मसार करता हो। उन्होंने आगे कहा की हमारी बालिकाओं को विशेष ध्यान रखना है कि लव जिहादियों से उसके प्रेम जाल में न फंसे। हमारे नौजवान भी ध्यान करें कि जो देश की संस्कृति को मिटा रहे हैं और सर तन से जुदा का कार्य कर रहे हैं उनसे बिल्कुल भी मेल मिलाप ना रखें। उन्होंने यह भी चेताया कि आने वाले 15 वर्षों बाद अपने ही भारत में गृह युद्ध होगा क्योंकि जिहादी मानसिकता वाले इसकी तैयारी में लगे हुए हैं और हमारा नौजवान रील बनाने पर लगा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने संस्कृति, राष्ट्र और समाज हिंदुत्व के लिए समाज की प्रेरणा से कार्य करता रहा है और दुनिया का पहला संगठन है जो 100 वर्ष पूरे कर चुका है। यह 100 वर्ष संघ परिवार ने हिंदुत्व के लिए ही दिए हैं। उन्होंने बताया कि 4 लाख भारत में ईसाइयों के स्कूल चल रहे हैं और तीन लाख मदरसे चल रहे हैं जो भारतीय संस्कृति को नष्ट करने पर लगे हैं। तीन लाख मदरसो में कुरान पढ़ाया जाता है जिन पर हमारे मंदिरों का चढ़ावा भारत सरकार के द्वारा खर्च किया जा रहा है और यह सब हिंदुओं के कुंभकरण निद्रा में सोए रहने के कारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले बंटवारे में पाकिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, श्रीलंका, बांग्लादेश चले गए हैं यदि हिंदू नहीं जागा तो पूरा हिंदुस्तान जाने को तैयार है। उन्होंने हिंदू समाज के लोगों से राष्ट्र की सुरक्षा के लिए हिंदुओं के जगाने के कार्य करने मैं जुटे रहने का आहवान किया है। विशिष्ट अतिथि महिपाल विभाग संघचालक ने संघ के 100 वर्ष के सफर पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दुनिया का ऐसा संगठन है जिसने सफलतापूर्वक 100 वर्षों का सफर तय किया है उन्होंने आगे कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व पटल पर अपनी विशेष पहचान रखती है तथा देश के हालात किसी से छुपे नहीं है इसलिए जात पात से उपर उठकर हिंदू समाज के लोगों को एक जुट हो जाना चाहिए , जिससे हिंदुस्तान विश्व की महाशक्ति बन सके। मुख्य वक्ता अनुज कुमार शारीरिक शिक्षण प्रमुख ने कहा कि सनातन समाज के लोग अपनी संस्कृति को छोडकर अंग्रेजी पद्धति अपनाने जा रहे हैं। इसी कारण हमारे बच्चे भारतीय संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज बच्चों को हिंदू संस्कृति की शिक्षा दिलाने की आवश्यकता है। बच्चे हिंदू संस्कृति की शिक्षा ग्रहण करेंगे तो उनमें राष्ट्र प्रेम की भावना जागेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में अनिल कुमार शर्मा, सिम्मी पाल, ओमकुमार चौहान, आसाराम सैनी, संजय वर्मा, अनमोल कंसोल, राजकुमार चावला, रोहन राज, अतुल गुप्ता, ललित कुमार, रिंकू सैनी, सुंदर प्रजापति, संदीप वाल्मीकि, कपिल पवार, राजीव कुमार,, विवेक शर्मा, चान्द मल्होत्रा, लक्ष्मण सैनी, शिवचरण सैनी, राहुल सैनी, बृजेश सैनी, ऋषिपाल, महेश कुमार, सचिन कुमार, प्रमोद कुमार, महावीर सिंह सैनी, मुकेश एडवोकेट, आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा कार्यक्रम में हजारों लोग और महिलाएं मौजूद रही

थाना स्योहारा पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

बिजनौर(सब का सपना):- जनपद के थाना स्योहारा पुलिस ने गंभीर अपराध में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार थाना स्योहारा में दर्ज मुकदमे की बीएनएस धाराओं व पॉक्सो एक्ट में वांछित आरोपी को पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक 31 जनवरी को वादी द्वारा थाना स्योहारा पर तहरीर दी गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी विशाल उर्फ फैजान पुत्र साबिर वादी की पुत्री को बहला-फुसलाकर अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले गया और जंगल में ले जाकर उसके साथ जबरन गलत कार्य किया। तहरीर के आधार पर थाना स्योहारा में संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा लगातार दबिश दी जा रही थी। इसी क्रम में रविवार को थाना स्योहारा पुलिस ने वांछित आरोपी विशाल उर्फ फैजान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

प्रभारी मंत्री के0पी0 मलिक ने की विकास कार्यों की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन, के0पी0मलिक की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्य की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सर्वप्रथम जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक द्वारा जनप्रतिनिधियों को बुके देकर एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया गया। जिलाधिकारी द्वारा मा0 मंत्री को को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। प्रभारी मंत्री ने पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाए जा रहे विशिष्ट अतिथिगृह के बारे में जानकारी प्राप्त की और उन्होंने निर्देश दिए की विशिष्ट अतिगृह परिसर में वृक्षारोपण अवश्य किया जाये। इसी प्रकार उन्होंने अमरोहा कैलसा मार्ग से पाकबड़ा मार्ग का चौड़ीकरण कार्य एवं सुदृढ़ीकरण के निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित अवधि में पूर्ण करने के साथ सड़क के दोनों तरफ वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री द्वारा जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए अधिशासी अभियंता जल निगम से कितने गांव में पानी की सप्लाई हो रही है, कितने शेष हैं और जो शेष हैं उनका कार्य कब तक पूर्ण हो जाएगा आदि की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा जनपद के जनप्रतिनिधियों के पास बहुत अधिक जल निगम से संबंधित शिकायत आ रही हैं, इसलिए कार्यों में तेजी लाई जाए और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। जल जीवन मिशन प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की प्रमुखता में से एक है। उन्होंने कहा कि जनपद के जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर उनके सुझाव लिए जाएं और आगामी बैठक में जल जीवन मिशन से संबंधित कोई भी शिकायत प्राप्त न हो। उन्होनें अधिशासी अभियन्ता जल निगम से जानकारी प्राप्त की कि कितने ग्राम ऐसे है जिनमें कार्य पूर्ण एवं गुणवत्ता के साथ किया गया , जिस पर अधिशासी अभियन्ता ने 55 ग्रामों मे पूर्ण कार्य होने की जानकारी दी। प्रभारी मंत्री ने उन 55 ग्रामों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिये और कहा कि उक्त ग्रामो में स्थलीय निरीक्षण किया जायेगा। प्रभारी मंत्री द्वारा विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए खराब ट्रांसफार्मर की बदलने की जानकारी और विद्युत की आपूर्ति, क्षमता वृद्धि, बिजली चोरी की शिकायत, लाईद लॉस आदि विभिन्न जानकारी ली और अधिक्षण अभियन्ता विद्युत को आवश्यक निर्देश दिये। पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से जनपद में संचालित गौशालाएं उनके टीकाकरण, सहभागिता योजना और नए गौशालाओं के निर्माण के चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली और कहा कि गौशालाओं में पानी, विद्युत, चारे की पर्याप्त व्यवस्था हो। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत मुख्य मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जानकारी प्राप्त की जनपद में कितने आयुष्मान कार्ड बन गए हैं कितने शेष हैं और जो पात्र व्यक्ति हैं जिसके आयुष्मान कार्ड नहीं बन गए हैं उनके कैंप लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। सी0एम0ओ0 ने प्रभारी मंत्री का अवगत कराया कि आयुष्मान कार्ड बनाने में जनपद अमरोहा को द्वितीय स्थान है और जो शेष बचे है उनको जल्दी ही पूर्ण कर लिया जायेगा। उन्होंने सीएमओ को सभी

चिकित्सालयों में साफ सफाई की व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए जानकारी प्राप्त की की लक्ष्य के सापेक्ष कितने आवास बनाए गए हैं कितने आवेदित फॉर्म हैं कि जिनका वेरिफिकेशन किया जा रहा है उन्होंने कहा कोई भी पात्र व्यक्ति आवास से ना छूटे। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मुख्यमंत्री आवास योजना की भी जानकारी प्राप्त कर पीडी डीआरडीए को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने विकसित भारत जी राम जी योजना का जनचौपाल व अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी ब्लॉक में शुरू किए गए आजीविका दीदी मार्ट की जानकारी दी जिसपर मंत्री द्वारा इस पहल के उनकी सराहना की गई। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से संबंधित प्रभारी मंत्री को जानकारी दी कि जनपद की दीदियों को लखपति बनाए जाने का कार्य किया जा रहा है और स्वयं सहायता समूह के माध्यम से विभिन्न कार्यों का संचालन उचित प्रकार किया जा रहा है उक्त से संबंधित अन्य योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की और बताया कि जनपद की न्याय पंचायतों, पुलिस लाईन, तहसील परिसरों में दीदी मार्ट खोलें जायेंगे ताकि वहां शुद्ध एवं पौष्टिक खाना प्राप्त हो सके। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, फसल बीमा योजना, उर्वरकों की उपलब्धता, यूरिया की उपलब्धता की विस्तृत जानकारी उप निदेशक कृषि एवं जिला कृषि अधिकारी से लेकर निर्देश दिए की उर्वरक आपूर्ति से संबंधित कोई समस्या उत्पन्न न हो इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत राशन कार्ड की जानकारी राशन का वितरण आदि से संबंधित विभिन्न जानकारी प्राप्त कर जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए की विकास खण्डों में अपने स्टाफ के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी प्रकार की राशन वितरण में धांधली न हो, उसका लाभ पात्र व्यक्तियों को मिलें। अगर शिकायत होती है तो उसकी जांच टीम बनाकर की जाए। प्रभारी मंत्री द्वारा कन्या सुमंगला योजना, खादी ग्राम उद्योग के अन्तर्गत माटीकला बोर्ड सहित अन्य योजनाओं, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पारिवारिक योजना, आदि से संबंधित निर्देश दिए कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहे और उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में इस बात का विशेष ध्यान रखें कि पात्रों को योजना का पूरा लाभ मिल। उद्योग विभाग से चल रही विभिन्न योजनाओं के लिये ऋण वितरण के सम्बन्ध में पूर्ण जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के सम्बन्ध में प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि योजना का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाए ताकि जनपद के युवाओं को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर स्वरोजगार को अपना सकें। इसी प्रकार प्रभारी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रो के संचालन, पोषण भी पढ़ाई भी के अंतर्गत पूर्ण जानकारी, आईसीडीएस की समीक्षा की। जिला पंचायत राज विभाग के अंतर्गत संचालित पंचायत भवनों, लाइब्रेरी, स्वच्छ भारत मिशन, मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना आदि की जानकारी ली इसी प्रकार शिक्षा विभाग के अंतर्गत ऑपरेशन कायाकल्प और प्रोजेक्ट अलंकार के तहत चल रहे कार्यों जानकारी ली। प्रभारी मंत्री द्वारा जनपद स्तरीय अधिकारियों के कार्य की प्रशंसा की और कहा कि जनपद के सांसद, विधायक सब यही चाहते हैं कि उनका जनपद प्रदेश में पहले नंबर पर आए और विभागीय अधिकारी भी यही चाहते हैं कि उनका विभाग प्रदेश में पहले नंबर पर आए इसलिए योजनाओं का क्रियान्वयन ठीक प्रकार से हो पात्र व्यक्ति को उनका लाभ प्राप्त करें। उन्होंने आशा व्यक्त की की आगामी बैठक में और अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लो द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिव्यांगो के बनने वाले प्रमाण पत्र के बारे में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होने अधीक्षण अभियन्ता विद्युत को निर्देश दिये कि जिन किसानो की फसल का नुकसान विद्युत के कारण हुआ है, आवश्यक कार्यवाही करते हुए उनको समय से मुआवजा प्रदान किया जाये। विधायक हसनपुर महेन्द्र सिंह खड़गवंशी ने अपने क्षेत्र की समस्याओं और सुझावों को मंत्री के समक्ष रखा। जिसपर उनके द्वारा आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। अन्त में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने माननीय प्रभारी मंत्री को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपके द्वारा जो मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है उसा पूर्णता पालन किया जाएगा और सरकार की योजनाओं का संचालन एवं क्रियान्वयन बेहतर तरीके से किया जाएगा। आगामी बैठक में आपको और अच्छा परिणाम प्राप्त होगा और जो आपके द्वारा निर्देश दिए गए उनका पालन शत-प्रतिशत किया जाएगा। उन्होने कहा कि आईजीआरएस, थाना दिवस, सम्पूर्ण समाधान दिवस, मुख्यमंत्री हेल्पलाईन आदि पर आने वाली शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण किया जायेगा। इस अवसर पर शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लो , विधायक हसनपुर महेन्द्र सिंह खड़गवंशी , जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स,पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला विकास अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 'जायफुल लर्निंग' की नई पहल, शिक्षा मंत्री ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और प्रभावी बनाने की दिशा में दिल्ली सरकार ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने आज जनकपुरी स्थित डीईएसयू कॉलोनी के सीएम श्री स्कूल में समग्र शिक्षा के अंतर्गत जायफुल लर्निंग 2025झ26 राज्य स्तरीय बहु-संवेदी टीएलएम (मल्टी सेंसरी टीचिंग लरनिंग टूल्स) प्रतियोगिता की शुरूआत की। इस विशेष पहल का मुख्य उद्देश्य कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए भाषा, गणित और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों को अधिक सुलभ और रोचक बनाना है। शैक्षणिक सत्र 2025झ26 के लिए तैयार की गई यह योजना विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव को पूरी तरह बदलने का लक्ष्य रखती है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली सरकार का मानना है कि शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह विद्यार्थियों के लिए एक आनंदमय और सहभागी प्रक्रिया होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस पहल का उद्देश्य सीखने के अनुभव को अधिक इंटरैक्टिव और प्रभावी बनाना है। इन आधुनिक उपकरणों की मदद से शिक्षक कठिन अवधारणाओं को सरलता से समझा सकेंगे, जिससे कक्षा प्रबंधन और बेहतर होगा। शिक्षा मंत्री ने बताया कि समग्र शिक्षा के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक बच्चा सीखने की प्रक्रिया से सीधे जुड़े और उसमें समझ विकसित हो। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता विद्यालयी शिक्षा में नवाचार और आधुनिक पद्धतियों को प्रोत्साहित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह पहल न केवल बच्चों की जिज्ञासा और रचनात्मकता को बढ़ावा देगी, बल्कि शिक्षकों को भी कक्षा में नए प्रयोग करने के लिए सशक्त बनाएगी। यह कदम दिल्ली के विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों के अनुरूप तैयार करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

यूजीसी नियमों के खिलाफ दिल्ली में बड़ा आंदोलन, रामलीला मैदान में दिखेगा शक्ति प्रदर्शन

नई दिल्ली। यूजीसी नियम को लेकर बढ़ते विरोध के बीच सवर्ण समाज समन्वय समिति के साथ जुड़े 40 से अधिक संगठनों ने नियम के खिलाफ पंडित मदन मोहन मालवीय मिशन स्मृति भवन में आंदोलन तेज करने का एलान किया है। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि केंद्र सरकार ने यूजीसी नियम को वापस नहीं लिया तो आठ मार्च 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में यूजीसी रोल बैक आंदोलन किया जाएगा। आंदोलन की शुरूआत एक फरवरी को आहूत देशव्यापी बंद के समर्थन से होगी। यह जानकारी पंडित मदन मोहन मालवीय स्मृति भवन में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में समिति के प्रमुख स्वामी आनंद स्वरूप महाराज ने दी। उन्होंने कहा कि यूजीसी नियम खामियों से भरा और समाज को बांटने वाला कानून है। इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट की अस्थायी रोक के बावजूद यह कानून तभी खत्म होगा जब संसद इसे वापस लेगी। वार्ता में करणी सेना के राज सिंह शेखावत, भीम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीधर साल्वे, हिंदू महासभा के विजय कौशिक, कायस्थ महासभा के अनूप श्रीवास्तव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डीपी श्रीवास्तव सहित कई संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

दिल्ली में ई-रिक्शा में जा रही युवती से मोबाइल छीना, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से पहचान कर आरोपी को दबोचा

बाहरी दिल्ली। आजादपुर मंडी से आजादपुर मेट्रो स्टेशन की ओर ई-रिक्शा से जा रही युवती से मोबाइल छीनने की घटना सामने आई है। मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर झपटमारों की पहचान की और एक आरोपित को पकड़ लिया। आरोपित से युवती से छीना मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि इस संबंध में बहादुरगढ़ (हरियाणा) के धर्म विहार की रहने वाली इंद्रजीत नांदल की शिकायत पर पर विशेष टीम का गठन किया गया। सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण और खुफिया

सूचना के आधार पर कई संभावित ठिकानों पर छापेमारी की गई। इस दौरान पुलिस ने वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र निवासी अमन को गिरफ्तार किया गया। उसकी तलाशी के दौरान शिकायतकर्ता से लूटा मोबाइल फोन बरामद किया गया। वारदात के समय प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपित अमन की पिछली कोई आपराधिक गतिविधि अभी सामने नहीं आई है। पूछताछ के दौरान उसने स्वीकार किया कि उसने पैसे के लालच में आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया। शक के आधार पर युवक को पकड़ा, चार मोबाइल बरामद आजादपुर मंडी के पास से पुलिस ने चोरी किए चार मोबाइल के साथ युवक को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि नियमित गश्त के दौरान न्यू आजादपुर मंडी पुलिस ने शक के आधार पर एक युवक को रोका। तलाशी लेने पर संदिग्ध के बैग से चोरी किए गए चार महंगे मोबाइल बरामद हुए। तीन मोबाइल महिंद्रा पार्क थाना क्षेत्र से चोरी के पाए गए और एक मोबाइल जहांगीरपुरी थाना इलाके से चोरी किया गया था। आरोपित की पहचान 25 वर्ष के सोनू निवासी शक्ति नगर के तौर पर हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वह भी चोरी और झपटमारी के छह आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

9.89 करोड़ से सुंदर बनेंगे सेंट्रल दिल्ली के तीन गोलचक्कर, डीटीटीडीसी ने जारी किया टेंडर

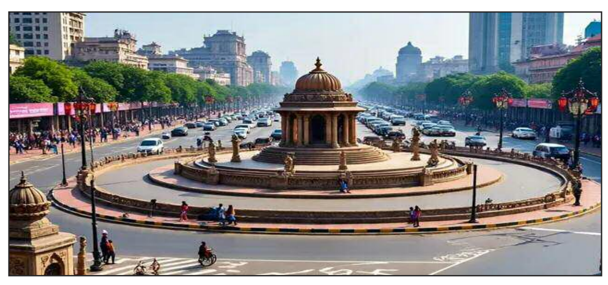

नई दिल्ली। दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) ने मध्य दिल्ली के तीन प्रमुख गोल चक्करों के सुंदरीकरण की योजना बनाई है, जिसमें इन गोल चक्कर को पौधारोपण, कलात्मक विशेषताओं और आधुनिक रोशनी से बेहतर किया जाएगा। इस योजना के तहत डीटीटीडीसी ने फिल्मिस्तान चौक, झंडेवालान शक्ति चौक और वीरचंद्र गढ़वाली चौक पर कार्य करने के लिए करीब 9.89 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है, जिसमें काम पूरा करने के लिए तीन महीने का समय दिया गया है। इस योजना में लैंडस्केप वाले लान का विकास, सजावटी पेड़, झाड़ियां और मौसमी फूलों के पौधे लगाने के साथ ही हरे-भरे स्थानों का लंबे समय तक रखरखाव शामिल होगा। इस योजना में साइनेज और नाम पट्टिका, सजावटी बोलार्ड, बेंच और कचरा डिब्बे लगाने की भी सुविधा भी शामिल है। डीटीटीडीसी के अनुसार ग्रेनाइट या सैंडस्टोन पेविंग, डेकोरेटिव कंक्रीट फ्लोरिंग, कर्ब स्टोन लगाना और ऊंची दीवारों का निर्माण जैसे हार्ड लैंडस्केपिंग काम भी मेकओवर का एक अहम हिस्सा होंगे। लैंडस्केप वाले इलाकों को सपोर्ट देने के लिए ड्रिप इरिगेशन लाइन, स्प्रिंकलर और जहां जरूरत हो, अंडरग्राउंड या ओवरहेड पानी के स्टोरेज टैंक सहित वाटर मैनेजमेंट सिस्टम शुरू करने की भी योजना बनाई है।

पूर्वी दिल्ली के उस्मानपुर थाने के पास डीडीए के पार्क में चाकू से गोदकर युवक की हत्या

पूर्वी दिल्ली। न्यू उस्मानपुर थाने के पास डीडीए पार्क में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। युवक के हाथ, पेट वे चेहरे पर चाकू से वार के निशान हैं। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। जिस तरह से युवक के शरीर पर वार के निशान है। उससे आशंका जाहिर की जा रही है लूटपाट या फिर रंजिश में वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जीटीबी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डीडीए पार्क में शनिवार सुबह जब लोग घूमने के लिए आए तो देखा खून से लथपथ हालत में एक युवक पड़ा हुआ है। पार्क के पास ही दो थाने न्यू उस्मानपुर व शास्त्री पार्क थाना, दमकल कार्यालय, जग प्रवेश चंद्र अस्पताल है। लोगों ने ही मामले की सूचना पुलिस को दी। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि पार्क में एक युवक युवक का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। कोई ऐसा दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके। उस्मानपुर थाना ने हत्या का केस दर्ज किया है। पार्क से क्राइम व एफएसएल की टीमों ने साक्ष्य जमा किए हैं। पार्क में सुरक्षा गार्ड से पूछताछ की गई तो उसने कहा वह रात को ड्यूटी कर घर चला गया था। आरोपितों का पता लगाने के लिए पार्क के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

अब आवाज से पकड़े जाएंगे डिप्रेशन के शुरूआती संकेत, लाखों युवाओं को समय पर मिल सकेगी मदद

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली के शोधकताओं ने एक महत्वपूर्ण खोज की है कि व्यक्ति की आवाज में डिप्रेशन (अवसाद) के शुरूआती संकेत आसानी से पहचाने जा सकते हैं। एम्स के एडवांस्ड स्पीच हेल्थ लैब में किए गए अध्ययन से पता चला है कि बोलने की शैली टोन, पिच, फ्लुएंसी, इमोशनल रेजोनेंस और वोकल एनर्जी में बदलाव डिप्रेशन का संकेत दे सकते हैं। यह रिसर्च मेंटल हेल्थ के क्षेत्र में एक बड़ा कदम है, क्योंकि इससे कम संसाधनों वाले इलाकों में भी जल्दी स्क्रीनिंग संभव हो सकेगी। 423 लोगों के सैंपलों का किया विश्लेषण शोध में 423 लोगों के स्पीच सैंपल का विश्लेषण किया गया, जिनके पूरे क्लिनिकल और डेमोग्राफिक रेकार्ड उपलब्ध थे। इनमें 31.7 प्रतिशत लोगों में डिप्रेशन के संकेत मिले। आटोमेटेड स्पीच एनालिसिस माडल

की एक्यूरेसी 60-75 प्रतिशत रही, जो लंबे स्पीच सैंपल पर 78 प्रतिशत तक पहुंच गई। ज्यादातर प्रतिभागी 18-30 साल के थे (औसत उम्र 24 साल), और अधिकांश युवा थे। इसके साथ ही निमहांस के बड़े अध्ययन का जिक्र है, जिसमें 8,542 कालेज स्टूडेंट्स (30 यूनिवर्सिटीज, 15 शहर, 9 राज्य) का सर्वे किया गया। इसमें 33.6 प्रतिशत में माडरेट से सीवियर डिप्रेशन, 23.2 प्रतिशत में एंग्जायटी, 18.8 प्रतिशत में लाइफटाइम सुसाइडल थाट्स, 12.4 प्रतिशत में पिछले साल सुसाइडल थाट्स और 6.7 प्रतिशत में अटेम्प्टेड सुसाइड पाए गए। युवाओं में लो-बैरियर मेंटल हेल्थ एक्सेस की कमी से समस्या बढ़ रही है। विश्व स्तर पर 264 मिलियन लोग डिप्रेशन से प्रभावित हैं, जबकि भारत में एनएचएमएस 2015 के अनुसार 5.3 प्रतिशत आबादी इससे पीड़ित है। सुसाइड डिप्रेशन की प्रमुख जटिलता है। क्यों उपयोगी है यह तकनीक? डिप्रेशन अक्सर पारंपरिक जांच में छूट जाता है, खासकर ग्रामीण या कम संसाधनों वाले क्षेत्रों में। वाइस का विश्लेषण एक आब्जेक्टिव, गैर-इनवेसिव और सस्ता तरीका है। फोन रेकार्डिंग से ही शुरूआती संकेत पकड़े जा सकते हैं, जिससे समय पर इंटरवेंशन, रेफरल और इलाज संभव होगा। सीएसआर सपोर्ट से बनी यह लैब लिंग्विस्टिक फीचर्स फ्लुएंसी, आर्टिकुलेशन के साथ पैरालिंग्विस्टिक मार्कर्स (टोन, पिच, इमोशनल कलर) का अध्ययन कर रही है। प्रो. डा.नंद कुमार साइकियाट्री विभाग, एम्स के अनुसार, डिप्रेशन से स्पीच मोनोटोन, कम फ्लुएंसी और वोकल एफर्ट में कमी आती है। यह तरीका क्लिनिकल डायग्नोसिस की जगह नहीं लेगा, बल्कि अर्ली स्क्रीनिंग एड बनेगा। दावा है कि यह रिसर्च भारत में मेंटल हेल्थ क्रांति की शुरूआत हो सकती है, जहां वाइस सिर्फ बोलने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का संकेतक बनेगी। समय पर पहचान से लाखों युवाओं को नई जिंदगी मिल सकती है।

दिल्ली में लाचार दिव्यांग कपल को मिला नेटिजन्स का सपोर्ट, घंटों में जमा हुए हजारों रुपये

नई दिल्ली। दिल्ली में एक नेत्रहीन कपल और उनके बच्चे की मदद करने वाला मोहम्मद सलमान का दिल छू लेने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। व्यस्त सड़क किनारे फंसे इस परिवार को बस में चढ़ने में परेशानी हो रही थी, जबकि आसपास के लोग अपनी दुनिया में मग्न थे। मोहम्मद सलमान ने उनकी हालत देखी और आगे बढ़े। उन्होंने पूछा, "क्या आप कहीं जाना चाहते हैं?" कपल ने बताया कि वे कश्मीरी गेट के पास मठ जाना चाहते हैं। सलमान ने तुरंत एक ऑटो रिक्शा बुलाया। नेत्रहीन व्यक्ति ने किराए की चिंता जताई, लेकिन सलमान ने उन्हें भरोसा दिलाया और यात्रा शुरू होने से पहले ही ड्राइवर को पूरा किराया दे दिया। इस तरह परिवार सुरक्षित अपनी मंजिल तक पहुंच सका। सलमान ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, "हे भगवान, यह देखने के बाद अपनी जिंदगी की शिकायत करने के लिए सॉरी।" वीडियो को अब तक 12 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं, साथ ही सैकड़ों कमेंट्स में लोगों ने उनकी तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, "जरूरतमंदों की मदद के लिए भगवान आपका भला करे बेटे।" दूसरे ने कहा, "काश हमारे देश में सक्षम नागरिकों के लिए बेहतर पब्लिक सिस्टम होता।" तीसरे ने कमेंट किया, "सलमान भाई, आपको बहुत इज्जत, अच्छा काम करते रहो।" वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने उस जोड़े की मदद के लिए आगे आए। सलमान ने अपडेट दिया कि जोड़े को 5500 रुपये की जरूरत थी, लेकिन कुछ ही घंटों में इससे ज्यादा राशि जमा हो गई। उन्होंने लिखा, "सोशल मीडिया की ताकत, बहुत-बहुत धन्यवाद।" उल्लेखनीय है कि यह घटना उदासीन भीड़ के बीच इंसानियत की मिसाल पेश करती है। सलमान की निस्वार्थ दयालुता ने न सिर्फ एक परिवार की मदद की, बल्कि हजारों लोगों को प्रेरित किया कि छोटी-छोटी मदद से भी बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। इंसानियत अभी भी जिंदा है, यह वीडियो इसी की याद दिलाता है।

झिलमिल इलाके में बुजुर्ग की मौत को पुलिस ने माना सामान्य, बेटियों ने की जांच तो निकला हिट एंड रन का मामला

पूर्वी दिल्ली। झिलमिल इलाके में हिट एंड रन का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इसमें एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। शुरूआत में ऐसा लगा कि महिला सड़क पर चक्कर खाकर गिर पड़ी। चोट लगने के कारण अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने भी इसे सामान्य हादसा मान लिया। लेकिन बेटियों ने वह काम किया जो पुलिस को करना चाहिए थी। उन्होंने घटनास्थल पर पहुंचकर आसपास के लोगों से बात की तो पता चला कि महिला को मोटरसाइकिल ने टक्कर मारी थी। उस पर दो युवक सवार थे, जिन्होंने महिला को झिलमिल ईएसआइसी अस्पताल पहुंचाया था लेकिन इसके बाद दोनों फरार हो गए। बेटियों की शिकायत पर विवेक विहार पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने के कारण मौत का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपितों की तलाश की जा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जानकारी के मुताबिक 60 वर्षीय उमा परिवार के साथ झिलमिल में रहती थीं और योजना विहार में घरेलू सहायिका का काम करती थीं। पति राम सिंह एक रेस्टोरेंट में काम करते हैं। 25 जनवरी को उमा रात आठ बजे तक घर नहीं पहुंचीं। बेटी गंगा ने काल किया, लेकिन संपर्क नहीं हुआ। बेटी को मां की चिंता सताने लगी। उसने अपनी शादीशुदा दो बड़ी बहनों को काल किया। दोनों बहनें अपने-अपने पति के साथ आईं और मां की तलाश शुरू की। रात 11 बजे ये लोग विवेक विहार थाने पहुंचे तो वहां एक पुलिसकर्मी ने उन्हें मोबाइल दिखाया, जो उनकी मां का था। पुलिसकर्मी ने बताया कि उन्हें ईएसआइसी अस्पताल से जीटीबी अस्पताल भेजा गया है। सभी लोग जीटीबी अस्पताल के आपातकालीन विभाग पहुंचे। महिला के दामाद राजीव ने बताया कि उनकी सास अस्पताल के कमरे के बाहर स्ट्रेचर पर बेहोशी की हालत में थीं। रात 12 बजे उनका इलाज शुरू किया गया। इलाज के दौरान 28 जनवरी को उनकी मौत हो गई। तीन दिनों तक उन्हें होश भी नहीं आया।

अप्रैल 2026 से बदलेगा वेस्ट मैनेजमेंट का फॉर्मेट, क्या चार श्रेणियों की छंटाई को तैयार है दिल्ली?

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नए ठोस कचरा प्रबंधन अधिसूचित कर दिए हैं जिसमें चार तरह से कचरे की छंटाई करनी होगी। ऐसे में दिल्ली की चुनौती और बढ़ने वाली है, क्योंकि यहां पर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद से लेकर एमसीडी अभी तक दो तरह से कचरे की छंटाई करने के लिए माथापच्ची कर रहे हैं। आलम यह है कि एनडीएमसी ने तो कुछ हद तक इसमें कामयाबी पाई है लेकिन एमसीडी इसमें अभी फिसड्डी ही है। क्योंकि एमसीडी के 250 वार्ड में से सिर्फ 12 वार्ड में ही शत प्रतिशत गीले व सूखे कचरे की छंटाई हो पा रही है। जबकि नए ठोस कचरा प्रबंधन नियमों के तहत गीले व सूखे कचरे के साथ सैनिटरी कचरा और विशेष देखभाल कचरा भी अलग-अलग करना होगा। एक अप्रैल 2026 से देशभर में यह नियम लागू होने हैं ऐसे में दिल्ली की चुनौती भी बढ़ेगी। एकसाथ मिलकर लैंडफिल में जाता है कचरा दिल्ली की बात करें तो यहां पर एमसीडी फिलहाल 12300 टन प्रतिदिन उत्पन्न होता है। इसमें 7435 टन प्रतिदिन सूखा तो वहीं4957 टन प्रतिदिन गीला कचरा होता है। लेकिन उत्पन्न हुए कचरे में ज्यादातर कचरा एक साथ मिलकर ही लैंडफिल पर पहुंचता है। कुछ हद तक रैगपीकर इसमें सूखे कचरे को छांट लेते हैं लेकिन ज्यादातर कचरा मिलकर ही निस्तारित होता है। लैंडफिल पर वेस्ट टू एनर्जी प्लांट में इसको आसानी से देखा जा सकता है। हालांकि दिल्ली में 2016 में दिल्ली में ठोस कचरा प्रबंधन उप नियम अधिसूचित हुए थे। इसके तहत स्रोत पर ही कचार निस्तारण की व्यवस्था करनी थी लेकिन आलम यह है कि अभी तक शहर में ज्यादा मात्रा में कूड़ा उत्पन्न करने वाले रेस्तरां

बजट में खेलों पर भी जोर , 'खेलो इंडिया मिशन' होगा शुरू

प्रशिक्षण केंद्रों, कोचों और खेल ढांचे में व्यवस्थित विकास पर रहेगा जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के रविवार को पेश किये गये आम बजट में खेलों पर भी काफी जोर दिया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करते हुए 'खेलो इंडिया मिशन' शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इस मिशन का लक्ष्य अगले 10 साल में प्रशिक्षण केंद्रों, कोचों और खेल ढांचे में व्यवस्थित विकास कर नई प्रतिभाओं को सामने लाना रहेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और करियर के कई अवसर पैदा करता है। उन्होंने बताया कि साल 2017 में शुरू किए गए खेलो इंडिया कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सरकार अब इसे एक व्यापक और एकीकृत मिशन के रूप में लागू करना चाहती है, जिससे खेल क्षेत्र में और भी बदलाव आयें।

सीतारमण ने कहा कि खेलो इंडिया मिशन के तहत, प्राथमिक, मध्यवर्ती और विशिष्ट स्तर के प्रशिक्षण केंद्र विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा कोचों और सहायक स्टाफ का भी व्यवस्थित विकास किया जाएगा। इसमे खेल विज्ञान और आधुनिक तकनीक को प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा, देशभर में प्रतियोगिताओं और लीगों के आयोजन को भी बढ़ावा दिया जाएगा, प्रशिक्षण और मुकाबलों के लिए खेल अवसंरचना को मजबूत किया जाएगा, इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सामने आने के लिए बेहतर मंच और संसाधन मिलेगा।

कम कीमतों में उच्च गुणवत्ता के खेल सामान निर्माण की दिशा में भी सरकार काम करने जा रही है। इससे उपकरण डिजाइन, सामग्री विज्ञान, विनिर्माण अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद के नेतृत्व में एक टास्क फोर्स का गठन किया है। इस कार्यबल ने उच्च गुणवत्ता वाले कोच तैयार करने और उनके लिए लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम जैसी योजना शुरू करने पर जोर दिया है।

भारत की देविका ने थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी देविका सिहाग ने थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। देविका को इस टूर्नामेंट के महिला एकल के खिताबी मुकाबले में मलेशिया की गोह जिन वेई के मैच के बीच से हट जाने के बाद आसानी से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब हासिल को गया। देविका तब मैच में 21-8, 6-3 से आगे चल रही थी तभी मलेशिया की वेई हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मुकाबले से हट गयीं। इससे देविका को अपने करियर का एक बड़ा खिताब मिल गया। दो वर्षों से फॉर्म और फिटनेस के लिए संघर्ष कर रही वेई ने इससे पहले के मैच में भी थकान की शिकायत की थी। देविका ने फाइनल में तेज शुरुआत की। उन्होंने अपने दमदार रिटर्न और बेहतरीन स्ट्रोक के दम पर 4-0 की बढ़त बना ली। वहीं एक नेट कॉर्ड की बदौलत वेई ने अपना पहला अंक हासिल किया।वह पिछले सत्र में इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रही थी जबकि 2024 में चार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर बरकार 20 साल की देविका बेंगलुरु के पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में प्रशिक्षण ले रही हैं। वह पिछले कुछ समय से ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु से भी खेल की टिप्स ले रहीं थीं।

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 : भारत ने पाकिस्तान को चारों खाने किया चित, 58 रनों से जीता मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर सिक्स मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को चारों खाने चित्त करते हुए 58 रनों से हरा दिया है। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए वेदांत त्रिवेदी के अर्धशतक की बदलौत एक गेंदें शेष रहते सभी 10 विकेट के नुकसान पर पाकिस्तान को 253 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में पाकिस्तान 194 रनों पर ढेर हो गई। त्रिवेदी ने 98 गेंदों पर 2 चौकों और एक छक्के की मदद से 68 रन बनाए जिससे भारत 250 का आंकड़ा पार कर पाया। वैभव सूर्यवंशी 22 गेंदों पर मात्र 30 रन ही बना पाए जबकि ओपनर ऑरोन जॉर्ज ने भी 16 रन की छोटी पारी खेली। कप्तान आयुष म्हात्रे खाता भी नहीं खोल सके।

प्लेइंग 11

भारत अंडर-19 : एरोन जॉर्ज, वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), वेदांत त्रिवेदी, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, हेनिल पटेल, दीपेश देवेंद्रन

पाकिस्तान अंडर-19 : हमजा जहूर (विकेटकीपर), समीर मिन्हास, उस्मान खान, अहमद हुसैन, फरहान यूसुफ (कप्तान), हुजैफा अहसन, अली हसन बलूच, अब्दुल सुभान, मोमिन कमर, मोहम्मद सय्याम, अली रजा

वैभव सूर्यवंशी को नेशनल टीम में शामिल करने का समय आ गया: सबा करीम

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। वर्ल्ड नंबर 1 कार्लोस अल्काराज ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने फाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी और सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच को हराकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की और अपना सातवां बड़ा खिताब जीता।

वर्ल्ड नंबर 1 ने 10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन जोकोविच को एक रोमांचक चार-सेट के फाइनल (2-6 6-2 6-3 7-5) में हराकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। अल्काराज ने फाइनल तीन घंटे और दो मिनट में जीता। ATP के अनुसार अल्काराज ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम हासिल करने वाले छठे खिलाड़ी भी बन गए हैं। गौरतलब है कि यह अल्काराज का ऑस्ट्रेलियन ओपन में डेब्यू के बाद पहला मेलबर्न फाइनल भी था।

ATP के अनुसार 21वीं सदी में केवल चार खिलाड़ियों ने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया है। जोकोविच ने 2016 में ऐसा किया था, उसके बाद राफेल नडाल (2010) और रोजर फेडरर (2009) का नंबर आता है। इसके साथ ही 22 वर्षीय अल्काराज ने दिग्गजों के बीच अपनी जगह पक्की कर ली है। पुरुषों में ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज (22 साल और 272 दिन) रॉड लेवर (24 साल और 32 दिन), राफेल नडाल (24 साल और 102 दिन), रोजर फेडरर (27 साल और 303 दिन), नोवाक जोकोविच (29 साल और 15 दिन) और आंद्रे अगासी (29 साल और 68 दिन) हैं।

ATP के अनुसार लेवर ने 1962 में एक शौकिया खिलाड़ी के तौर पर और 1969 में ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। वर्ल्ड नंबर 1 ओपन एरा में सात बड़े सिंगल्स टाइटल जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी हैं, जो ब्योर्न बोर्ग से आगे हैं, जिन्होंने 1979 में रोलैंड गैरोस में सातवां बड़ा टाइटल जीता था। 2022 में अल्काराज ने US ओपन में अपना पहला बड़ा टाइटल जीता और इस जीत के साथ वह PIF ATP रैंकिंग (1973 से) में सबसे कम उम्र के नंबर 1 खिलाड़ी बन गए। इस स्पेनिश खिलाड़ी ने 2023 में अपनी पहली विंबलडन ट्रॉफी जीती और 2024 ग्रैंड स्लैम इवेंट में अपने टाइटल का बचाव किया। रोलैंड गैरोस में अल्काराज 2024 और 2025 में विजयी रहे।

अर्शदीप टी20 में सबसे अधिक रन देकर पांच विकेट लेने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरम । युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के पांच विकेटों की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने पांचवे और अंतिम टी20 में न्यूजीलैंड को 46 रनों से हरा दिया।

इसी के साथ ही भारतीय टीम ने ये सीरीज 4-1 से जीती पर मैच में पांच विकेट लेने के बाद भी अर्शदीप के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज हुआ जिसे वह याद नहीं रखना चाहेंगे। अर्शदीप इसी के साथ ही किसी अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले में सबसे ज्यादा रन देकर 5 या उससे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के अल्जारी जोसेफ के नाम दर्ज था। जोसेफ ने जोहानसबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ साल 2023 में 40 रन देकर 5 विकेट लिए थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एंगिडी ने साल 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिस्टल में 39 रन देकर 5 विकेट लिए थे। गौरतलब है कि अर्शदीप टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। साल 2022 में डेब्यू करने के बाद से ही अर्शदीप ने 76 मैचों में 118 विकेट लिए हैं। यह पहला मौका था, जब अर्शदीप ने एक पारी में 5 विकेट लिए।

बुमराह ने अपने टी20 करियर का सबसे महंगा ओवर किया

तिरुवनंतपुरम। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम टी20 में असफल रहे। बुमराह इस मैच में सबसे महंगे साबित हुए। वह 58 रन देने के बाद भी कोई विकेट नहीं ले पाये। ये पहली बार रहा जब बुमराह ने किसी मैच में इतने अधिक रन दिये। इससे पहले का उनका सबसे महंगे मैच 2021 का आईपीएल रहा था। तब उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चार ओवर में 56 रन देकर केवल एक विकेट लिया था। बुमराह ने इस अंतिम मैच में अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अपना सबसे महंगा ओवर भी किया। इसमें बुमराह ने 22 रन दिये। वहीं इससे पहले बुमराह का सबसे महंगा ओवर साल 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ आया था, तब उन्होंने एक ही ओवर में 21 रन दिए थे। बुमराह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाज भी काफी महंगे रहे। अर्शदीप सिंह ने 51 रन दिये हालांकि उन्होंने पांच विकेट लिए। हार्दिक पांड्या ने 15 रन, वरुण चक्रवर्ती ने एक विकेट लेकर 36 रन वह अक्षर पटेल ने तीन विकेट लेकर 33 रन दिये। बुमराह और अर्शदीप के इस प्रकार के महंगे ओवरों से टी20 विश्वकप से पहले भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। भारत ही नहीं यहां अंतिम मैच में कीवी गेंदबाजों की भी जमकर कुटाई हुई। कीवी गेंदबाज जेकब डफी, काइल जेमिसन और मिचेल सैंटनर ने 50 रनों से अधिक दिये। सैंटनर के ओवर में 60 रन बने।

वैभव यूथ एकदिवसीय में सबसे अधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बने

बुलावायो । भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के सुपर-6 राउंड में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में 11 रन बनाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली। अब उनके यूथ एकदिवसीय में 1150 रन हो गये हैं। इस मैच के दौरान जैसे ही वैभव ने अपने 11 रन पूरे किए। वह भारत के लिए यूथ एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में शामिल हो गये हैं। वैभव ने अपनी पारी के दौरान 22 गेंदों का सामना करते हुए कुल 30 रन बनाए जिसमें 5 चौके और एक छक्का शामिल था। अब वैभव की नजरें यूथ एकदिवसीय में सबसे रन बनाने वाले बल्लेबाजों पर टिक गई हैं। वह जल्द ही विजय जोल के 1404 रन और यशस्वी जयसवाल के 1386 रन के रिकार्ड भी तोड़ सकते हैं।यूथ एकदिवसीय में सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज तन्मय श्रीवास्तव हैं उनके नाम 1316 रन हैं।

भारतीय टीम को उसी की धरती पर हराना बेहद कठिन काम: सेंटनर

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम कप्तान मिचेल सेंटनर ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-4 से मिली करारी हार के बाद कहा कि भारतीय टीम को उसी की धरती पर हराना बेहद कठिन काम है क्योंकि वह बखूबी जानती है कि अपने मैदानों में किस प्रकार खेलना है। इस सीरीज में भारतीय टीम के सामने कीवी टीम बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी में भी टिक नहीं पायी। भारतीय टीम सीरीज में केवल एक ही मैच में हारी थी। पहले तीन मैच जीतने के बाद भारतीय टीम को चौथे मैच में हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम ने अंतिम मैच में 46 रनों की जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम की। भारतीय टीम के प्रदर्शन को देखते हुए सेंटनर की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं क्योंकि अब उसे 7 फरवरी से होने वाले टी20 विश्वकप में भी भारतीय टीम से उसी की धरती पर खेलना है। विश्वकप संयुक्त रुप से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

सेंटनर ने कहा, पूरी सीरीज को देखें तो हमें काफी सकारात्मक बातें भी सीखने को मिलीं। मैंने शुरुआत में ही कहा था कि भारतीय टीम काफी अच्छी है। उसे इन हालातों में हराना बहुत कठिन है। ये सीरीज कुल मिलाकर मनोरंजक रही। साथ ही कहा कि जब आपको पूरी सीरीज में चुनौती मिलती है तो यह हमेशा अच्छी बात होती है। गेंदबाजों और बल्लेबाजों पर दबाव पड़ता है और उससे आप उससे सीखते हैं। परिणाम भले ही हमारे पक्ष में भले ही नहीं रहे पर हमें हर एक मैच से कुछ न कुछ सीखने को मिला। अब न्यूजीलैंड टीम आठ फरवरी से टी20 विश्वकप में उतरेगी। कीवी टीम इसमें ग्रुप डी में शामिल है, जिसमें अफगानिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और यूएई हैं। न्यूजीलैंड को अपने मैच भारतीय धरती पर खेलने हैं। वहीं सेंटनर ने कहा कि विश्वकप को लेकर उन्हें काफी सुधार करने होंगे। गेंदबाजी में हमें विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के तरीके तलाशने होंगे।

ईशान को अंतिम टी20 में विकेटकीपर बनाने का कारण सूर्यकुमार ने बताया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में ईशान किशन के विकेटकीपिंग किये जाने के कारणों का खुलासा किया है। सूर्या ने खुलासा किया कि सीरीज शुरू होने से पहले ही तय हो गया ता कि संजू पहले तीन मैच में विकेट कीपिंग करेंगे, वहीं आखिरी दो मुकाबलों में ईशान किशन को मौका मिलेगा। सूर्या ने कहा, तिलक वर्मा के नहीं होने की वजह से संजू सैमसन और ईशान दोनो को ही शामिल किया गया था। हमने सीरीज से पहले ही तय कर लिया था कि संजू तीन मैचों में विकेटकीपिंग करेंगे और ईशान अंतिम दो मैचों में ये जिम्मेदारी संभालेंगे। ईशान फिट नहीं होने के कारण पिछले मैच से बाहर थे। ईशान की शतकीय पारी के लिए भी सूर्या ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम उनके कौशल के बारे में पहले से ही जानती थी। भारतीय कप्तान ने कहा, ऊहम हमेशा जानते थे कि वह क्या कर सकते हैं और हमने इस सीरीज से पहले घरेलू क्रिकेट में उनकी बल्लेबाजी देखी थी। हम चाहते थे कि वह उसी तरह बल्लेबाज करें और अपनी पहचान न बदलें। वह घरेलू क्रिकेट में पारी शुरुकर रहे थे, और यहां वह नंबर तीन पर बल्लेबाज कर रहे थे। हम चाहते थे कि वह गेम-चेंजर बनें, उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे हमें बेहद खुशी हुई है ' ईशान को टीम में जगह तिलक वर्मा के चोटिल होने के कारण मिली थी और उन्होंने अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए शतक बनाया। ऐसे में माना जा रहा है कि तिलक की टीम में वापसी होते ही सैमसन को बाहर होना पड़ेगा क्योंकि कीवी टीम के खिलाफ पांच मैचों में सैमसन बूरी तरह से असफल रहे थे।

अंडर-19 विश्वकप में भी भारत-पाक कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाया

बुलावायो (जिम्बाब्वे)। भारत और पाकिस्तान की टीमों ने आज यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 के सुपर 6 ग्रुप 2 मैच में हाथ नहीं मिलाया। टॉस के बाद भारतीय अंडर-19 कप्तानी आयुष म्हात्रे और पाकिस्तान के कप्तान फरहान यूसुफ हाथ मिलाये बिना ही वापस हो गये। इस प्रकार एशेया कप में जिस प्रकार भारतीय सीनियर टीम ने पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। वही सिलसिला इस मैच में भी बरकरार रहा। भारतीय सीनियर टी10 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साल 2025 एशिया कप के दौरान अपने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था, तब से ही भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैचों में टॉस के दौरान हाथ न मिलने का सिलसिला जारी है। भारत ए टीम के कप्तान ने भी एशिया कप। इससे के अलावा महिला विश्वकप में भी भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाक कप्तपान से हाथ नहीं मिलाया था। भारतीय टीम के पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाने का कारण पाक का पहलगाम आतंकी हमले में शामिल होना रहा है। इसके बाद भारतीय सेना ने पाक में आतंकी ठिकानों को धवस्त कर दिया था।

ईशान किशन बनाम संजू सैमसन : ओपनिंग स्लॉट पर कब होगा फैसला, सूर्यकुमार यादव का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम में ओपनिंग स्लॉट को लेकर चल रही बहस अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साफ कर दिया है कि ईशान किशन और संजू सैमसन में से कौन ङ्म20 वर्ल्ड कप 2026 में ओपनिंग करेगा, इसका अंतिम फैसला 7 फरवरी को लिया जाएगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीत के बाद स्यङ्क ने टीम कॉम्बिनेशन, बल्लेबाजी अप्रोच और घरेलू वर्ल्ड कप के दबाव को लेकर भी खुलकर अपनी बात रखी।

ओपनिंग स्लॉट पर सस्पेंस बरकरार

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद ब्रॉडकास्टर से बातचीत में सूर्यकुमार यादव ने माना कि ओपनर को लेकर चयन की दुविधा अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ईशान किशन और संजू सैमसन दोनों ही प्लेइंग XI के मजबूत दावेदार हैं और इस मुद्दे पर स्पष्टता 7 फरवरी को सामने आएगी। कप्तान के मुताबिक, टीम मैनेजमेंट हर पहलू पर विचार कर रही है।

तिलक वर्मा की वापसी से बढ़ी मुश्किल

SKY ने यह भी बताया कि तिलक वर्मा की फिटनेस और फॉर्म चयन प्रक्रिया को और चुनौतीपूर्ण बना रही है। उनके अनुसार, तिलक अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वापसी के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। ऐसे में स्क्वाड के सभी 15 खिलाड़ी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं, जिससे सिलेक्शन कॉल और भी मुश्किल हो गया है।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत का रणनीतिक प्लान

सूर्यकुमार यादव ने भारत की संभावित रणनीति पर बात करते हुए कहा कि मौजूदा टी20 क्रिकेट में आक्रामक टॉप ऑर्डर बेहद जरूरी है। उन्होंने संकेत दिए कि टीम को नंबर 7 या 8 तक एक अतिरिक्त स्पेशलिस्ट बल्लेबाज की जरूरत हो सकती है। कप्तान के मुताबिक, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल मिलकर 16 ओवर डाल सकते हैं, जिससे बल्लेबाजी को गहराई देने का मौका मिलता है।

ऑलराउंडर्स से मिल रही है फ्लेक्सिबिलिटी

SKY ने बताया कि हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और जरूरत पड़ने पर अभिषेक शर्मा गेंदबाजी में अतिरिक्त विकल्प देते हैं। इससे टीम सात बल्लेबाज और ऑलराउंडर्स के साथ एक मजबूत कॉम्बिनेशन बना सकती है, जो वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में बेहद अहम साबित हो सकता है।

घरेलू वर्ल्ड कप का दबाव और उत्साह

भारत में खेले जाने वाले टी20 वर्ल्ड कप को लेकर सूर्यकुमार यादव ने कहा कि घरेलू परिस्थितियों में खेलना दबाव जरूर लाता है, लेकिन यही दबाव खेल को रोमांचक बनाता है। उन्होंने माना कि लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप जीतना ऐतिहासिक चुनौती है, लेकिन इसे वह सकारात्मक दबाव और बड़ी जिम्मेदारी के तौर पर देख रहे हैं।

निडर बल्लेबाजी से कप्तान खुश

न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 की सीरीज जीत के बाद कप्तान ने भारतीय बल्लेबाजों की निडर सोच की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी अपनी स्वाभाविक शैली में खेलते हैं और उन्होंने सभी को उसी अप्रोच पर टिके रहने के लिए प्रोत्साहित किया है।

'पहली गेंद पर छक्का भी सही फैसला हो सकता है'

SKY के मुताबिक, टी20 क्रिकेट में हालात के हिसाब से फैसले लेने जरूरी हैं। अगर पिच और कंडीशन इजाजत देती है, तो पहली ही गेंद पर बड़ा शॉट खेलने में कोई बुराई नहीं है। कप्तान का मानना है कि खिलाड़ियों का यह बेखौफ रवैया उनकी कप्तानी को आसान बनाता है।

पांड्या डेथ ओवरों में 1000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरम। ऑलराउडर हार्दिक पांड्या ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें टी20 में 17 गेंदों पर ही 42 रन बनाकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस पारी में पांड्या का स्ट्राइक रेट 247.06 का रहा। इससे वह अन्य खिलाड़ियों से अलग नजर आये। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी इस आक्रामक पारी से पांड्या ने अंतिम ओवरों (डेथ ओवरों) में 1000 रन बनाने का एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पांड्या के नाम अब अंतिम ओवरों में 1030 रन हो गये हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर के नाम अंतिम ओवरों में 986 रन हो गये हैं और वह दूसरे नंबर पर है जबकि अफगानिस्तान के मो नबी 973 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। पांड्या जब बल्लेबाजी के लिए आये थे। तब भारतीय टीम ने 14.3 ओवर में 3 विकेट पर 185 रन बनाये थे। वहीं इसेक बाद पांड्या ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम का 20 ओवर में 271 रन तक पहुंचा दिया जिससे कीवी टीम पर दबाव आया और वह 272 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 225 रनों पर ही सिमट गयी।

संजय मिश्रा और नीना गुप्ता फिर बने मिस्ट्री थ्रिलर का हिस्सा, 'वध 2' का ट्रेलर रिलीज

साल 2022 में फिल्म 'वध' रिलीज हुई। छोटे बजट की इस फिल्म ने दर्शकों को चौंकाया, क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा है। 'वध 2' को लेकर दर्शक काफी समय से इंतजार रहे थे। मंगलवार को 'वध 2' का ट्रेलर सामने आया। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी मेकर्स ने साझा की है।

'वध 2' के ट्रेलर में नजर आई नई मिस्ट्री?

फिल्म 'वध 2' के ट्रेलर में एक जेल गार्ड शंभूनाथ के रोल में संजय मिश्रा नजर आते हैं। वह जेल की एक कैदी मंजू सिंह (नीना गुप्ता) के करीब आते हैं। दोनों के बीच एक अलग तरह का रिश्ता बनता है। लेकिन इसी बीच जेल में कैदी गायब हो जाता है। वह कैदी कहां गया? उसके गायब होने से संजय मिश्रा और नीना गुप्ता के किरदारों का क्या कनेक्शन है, यही पूरी फिल्म की कहानी है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'वध 2' 6 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के डायेक्टर, राइटर जसपाल सिंह संधू हैं। फिल्म में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता के अलावा कुमुद मिश्रा, अमित के. सिंह, अक्षय डोगरा, शिल्पा शुक्ला और योगिता बिहानी जैसे एक्टर्स नजर आएंगे। फिल्म के प्रोड्यूसर लव रंजन और अंकुर गर्ग हैं। फिल्म फेस्टिवल में सराही गई 'वध 2' थिएटर में रिलीज होने से पहले फिल्म फेस्टिवल्स में वध 2 सराही गई थी। इस फिल्म को रिलीज से पहले 56वें आईएफएफआई 2025 में काफी तारीफ मिली थी। गाला प्रीमियर सेक्शन में इसकी स्क्रीनिंग हाउसफुल रही थी।

25 साल के फिल्मी सफर की चुनौतियों पर बोलीं एक्ट्रेस श्रिया सरन

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री श्रिया सरन को एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 25 साल पूरे हो गए हैं। इतने लंबे सफर के बाद उनका नाम उन अभिनेत्रियों में शुमार है, जिन्होंने अलग-अलग भाषाओं और सिनेमा के दौर को करीब से देखा है।

श्रिया सरन ने खास बातचीत में अपने करियर, फिल्मी दुनिया में आए बदलाव और आज के दौर की चुनौतियों पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे प्री–सोशल मीडिया दौर से लेकर आज के डिजिटल युग तक इंडस्ट्री पूरी तरह बदल चुकी है। खास बातचीत में श्रिया सरन ने सबसे पहले फिल्म सेट्स पर आए तकनीकी बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, जब मैंने करियर की शुरुआत की थी, तब शूटिंग का माहौल बिल्कुल अलग था। उस समय लाइट्स बहुत तेज होती थीं, जो आंखों को चुभती थीं और कई बार परेशानी भी होती थी। कैमरे भी भारी और सीमित तकनीक वाले होते थे। कलाकारों को सेट पर इंतजार करना पड़ता था और कैमरे के चलने की आवाज सुनकर ही पता चलता था कि शूटिंग शुरू हो गई है। उस दौर में सब कुछ ज्यादा मेहनत और धैर्य की मांग करता था। श्रिया ने कहा, आज हालात काफी बदल चुके हैं। तकनीक ने फिल्म इंडस्ट्री को ज्यादा आरामदायक बना दिया है। अब सॉफ्ट लाइट्स होती हैं जो आंखों पर असर नहीं डालतीं। कैमरे पहले से ज्यादा आधुनिक और हल्के हो गए हैं, जिससे शूटिंग आसान और तेज हो गई है। इन बदलावों की वजह से कलाकार अपने अभिनय पर ज्यादा ध्यान दे पाते हैं और काम का माहौल भी पहले से बेहतर हो गया है। या सरन ने कहा, पहले कलाकारों को सिर्फ एक मैनेजर से डील करना पड़ता था, लेकिन अब पूरा सिस्टम बदल चुका है। आज एजेंसियों का दौर है, जहां कलाकारों को कई लोगों से बात करनी होती है। नई पीढ़ी के लोग नई तरह की जानकारी और सोच लेकर आते हैं। वे ऐसी चीजें जानते हैं, जो पुरानी पीढ़ी को नहीं पता होतीं। ऐसे में बदलाव को स्वीकार करना जरूरी है।

अपने 25 साल के करियर के उतार–चढ़ाव पर बात करते हुए श्रिया ने कहा, इतने लंबे सफर में भावनात्मक रूप से कई तरह के दौर आते हैं। कभी ऐसा लगता है कि सब कुछ अच्छा चल रहा है और कभी इंसान खुद को बहुत अकेला या कमजोर महसूस करता है। इन मुश्किल दिनों से निकलने के लिए अपने आसपास ऐसे लोगों का होना बहुत जरूरी है, जो आपका साथ दें और आपको संभालें। सही लोग और सकारात्मक माहौल ही आपको आगे बढ़ने की ताकत देते हैं। श्रिया सरन ने अपने लंबे और सफल करियर का श्रेय अपनी टीम और सहयोगियों को दिया। उन्होंने कहा, मैं उन सभी निर्देशकों और सह–कलाकारों की देन हूं, जिनके साथ मैंने काम किया है। हर फिल्म और हर अनुभव ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। अगर सही लोग और टीम का सहयोग न मिला होता, तो यह सफर इतना आसान और सफल नहीं होता।

कभी नहीं की थी फिल्मों में आने की प्लानिंग, सोशल मीडिया ने बदली जिंदगी

लिटिल थिंग्स, कारवां, चॉपस्टिक्स और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री–गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म हैप्पी पटेल से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने आईएएनएस के साथ अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया। अभिनेत्री मिथिला ने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? उन्होंने कहा, मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई। लेकिन 8 साल पहले, वे लोग मेरे जीवन में बहुत मायने रखते थे, मेरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा योगदान था। और मैं उन लोगों को कभी नहीं भूलूंगी।

रियलिटी शोज में रोमांस अब फेक और स्ट्रैटेजी बन चुका है

रियलिटी शो के स्टार प्रिंस नरूला का मानना है कि आजकल रियलिटी शो में रोमांस ज्यादातर नकली हो गया है। उनका कहना है कि कई कंटेस्टेंट गेम में आगे बढ़ने और लाइमलाइट में आने के लिए रिश्तों को स्ट्रैटेजी के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। प्रिंस जल्द ही पत्नी युविका चौधरी के साथ अपकमिंग रियलिटी शो द 50 में नजर आएंगे। उन्होंने बताया, अब रियलिटी शो में रोमांस नकली हो गया है। लोग शो में रिश्ते बनाते हैं, लेकिन बाहर आने के बाद अलग हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि यह शो में सर्वाइव करने का आसान तरीका है। प्रिंस ने बताया कि जब उन्होंने बिग बॉस 9 में हिस्सा लिया था, तब भी ऐसी चीजें होती थीं। लेकिन उनका मानना है कि अगर कोई सच में प्यार ढूंढ रहा है, तो रियलिटी शो में भी सच्चा रिश्ता बन सकता है। उन्होंने कहा, मुझे भी अपना प्यार एक रियलिटी शो में ही मिला और पत्नी के साथ द 50 में एंट्री को लेकर मैं उत्साहित हूं। पत्नी के साथ होने से मुझे एक्स्ट्रा ताकत मिलेगी, जब भी युविका मेरे साथ होती है तो मुझे टेंशन नहीं होती और शो में भी मैं टेंशन के बिना रह सकूंगा।

जून में सिनेमाघरों में दस्तक देगी वेलकम टू द जंगल

बस पांच महीने का इंतजार और फिर सिनेमाघरों में होगा धमाल! जी हां, क्योंकि वेलकम टू द जंगल की रिलीज डेट सामने आ गई है। दिसंबर में अक्षय कुमार ने एक वीडियो साझा कर बताया था कि यह फिल्म साल 2026 में रिलीज होगी। अब इसकी रिलीज डेट का खुलासा भी कर दिया गया है। कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल जून में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह मल्टीस्टारर फिल्म 26 जून, 2026 को रिलीज होगी। वेलकम फ्रेंचाईजी की यह तीसरी किस्त है और काफी मजेदार होने वाली है। इसमें अक्षय कुमार के अलावा कई और शानदार सितारे नजर आएंगे। फिल्म वेलकम टू द जंगल के निर्देशन की कमान अहमद खान ने संभाली है। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ सहित करीब 30 सितारे नजर आएंगे। रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, आफताब शिवदासानी, लारा दत्ता, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, और दलेर मेहंदी भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मैं खुद एक बेटी की मां हूं, डर तो लगा ही रहता है

एक लड़की जिसे अव्वल तो एक्ट्रेस बनना नहीं था, पर किस्मत ने फिल्म के सेट पर पहुंचा दिया। फिर सितारों की इस दुनिया में वह ऐसी चमकी कि बॉलीवुड की रानी बन गई। हम बात कर रहे हैं, नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं रानी मुखर्जी की। इस साल इंडस्ट्री में 30 साल का शानदार सफर पूरा करने वाली रानी अपनी फिल्म मर्दानी 3 के लिए चर्चा में हैं। वह पर्दे पर एक बार फिर टॉप कॉप शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में वापसी कर रही हैं। इस बार वह उन लड़कियों को बचाने के लिए वापस आ गई हैं, जो बिना किसी सुराग के अचानक गायब हो जाती हैं। रानी ने बातचीत में फिल्म, निजी जीवन, करियर और बेटी आदिरा की परवरिश को लेकर बात की।

आपने सिनेमा जगत में 30 साल का सफर तय कर लिया है। ढेरों फिल्में, अवॉर्ड्स, कैसे देखती हैं आप अपने इस सफर को?

पैरंट्स नहीं, सिर्फ डैडी नहीं चाहते थे कि मैं एक्टर बनूं। मम्मी बहुत एक्साइटेड थीं। मम्मी की वजह से ही तो मैं आई हूं पर आप सही हैं, मैं वो लड़की थी जिसे एक्ट्रेस नहीं बनना था। मैं बाय चांस एक्ट्रेस बन गई, लेकिन इंडस्ट्री में आने के बाद इस काम, इस कला से मुझे प्यार हो गया तो मुझे लगता है कि शायद मैं एक्ट्रेस बनने के लिए ही पैदा हुई थी, क्योंकि इन तीस साल में मुझे दर्शकों से जिस तरह का प्यार मिला, वह बहुत खास है। इसमें ऊपरवाले का बहुत बड़ा हाथ है कि वह मुझे यहां तक खींचकर लाए।

बीते साल आपको मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे में बेहतरीन अदाकारी के लिए पहला नेशनल अवॉर्ड मिला। आपको लगता है कि अगर आप मां नहीं होती तो वो इमोशन निभा पाती? खुद मां होने का कितना श्रेय है उसमें?

मां का किरदार मैंने पहले भी निभाया है। तारा रम पम में किया था। कुछ कुछ होता है में भी मेरा मां का किरदार था तो मुझे लगता है कि जब आप एक औरत के रूप में जन्म लेते हैं, तभी आपके अंदर एक मां का भी जन्म हो जाता है, तो मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे पहले भी आती तो शायद मेरा वही भाव होता, क्योंकि मेरी भतीजी भी है, उसे भी मैं अपने बच्चे की तरह ही प्यार करती हूं। मुझे नहीं लगता है कि एक औरत के भीतर बच्चा होने के बाद ही वो मदरली फीलिंग आती है। आप किसी बड़ी बहन से बात करें तो वो अपनी छोटी बहन या भाई के लिए यही कहती है, यह मेरे बच्चे जैसा है। एक औरत होना अपने में ही महान चीज है। ममता का भाव हममें जन्म से ही होता है। इसलिए हम, गुड्डे–गुड़ियों का खेल खेलते हैं, घर बनाते हैं तो वह एक फीलिंग हममें हमेशा से ही होती है।

एक औरत होने की सबसे बड़ी ताकत और कमजोरी आप क्या मानती हैं?

हमारी ताकत ही हमारी कमजोरी है। हमारा जो प्यार है, हम जिस तरह से प्यार करते हैं कि प्यार में सब कुछ दे देते हैं। सबको खुद से आगे रखते हैं। यह हमारी ताकत भी है और कमजोरी भी। मैं भी ऐसी ही हूं, क्योंकि मैंने अपनी मां को ऐसा करते देखा है, लेकिन मेरा मानना है कि हर इंसान को खुद को आगे रखना चाहिए, क्योंकि अगर खुद पर ध्यान नहीं देंगे तो दूसरे को कहां वो प्यार दे पाएंगे, तो ऐसा करना जरूरी है।

करियर के शुरुआत में आपकी आवाज को लेकर आलोचना हुई, उन चीजों से कैसे डील किया?

असल में, चाइनीज कैलेंडर में मेरी राशि घोड़ा है तो मैं वैसी ही हूं। मैं ब्लिंकर्स पहनती हूं और सामने देखती हूं। इधर–उधर देखती ही नहीं हूं। कौन क्या कह रहा है, सोच रहा है, उसमें वक्त बर्बाद नहीं करती हूं। मुझे जो करना है, करती हूं और यही सोच मेरे काम आई।

आप एक्स, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया से दूर हैं। ये चीजें आपको नहीं लुभाती?

नहीं। मेरे इतने सारे रिश्ते हैं। मैं एक बेटी हूं, बीवी हूं, मां हूं, दोस्त हूं, एक्टर हूं तो मुझे कितनी भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं। उस पर एक सोशल मीडिया की जिम्मेदारी मैं क्यों अपने ऊपर लादूं? वो भी तो एक जिम्मेदारी बन जाएगी तो कम से कम उससे तो बचूं। (हंसती हैं)

मर्दानी 2 में कहानी एक रेप केस की थी, अब मर्दानी 3 में आप गर्ल चाइल्ड ट्रैफिकिंग जैसी गंभीर सामाजिक खतरे से डील कर रही हैं। ये फिल्में करते वक्त आप पर क्या असर पड़ता है? ये मुद्दे परेशान करते हैं?

परेशान तो करते ही हैं ना, क्योंकि समाज में ये चीजें हो रही हैं। बहुत बार हम सोचते हैं कि यार, हमें ऐसी डिस्टर्बिंग चीज से बचना चाहिए, क्योंकि हम इससे असहज हो जाते हैं, लेकिन ऐसी चीजों में असहज होना जरूरी है। डिस्टर्बिंग चीज देखनी है क्योंकि उसी से जागरूकता आएगी। मैं ये कहानियां इसीलिए लेकर आती हूं कि लोगों को बताऊं कि ये सब हो रहा है। हमारे नुक्कड़, पड़ोस में हो रहा है, तो जागो। हम सिर्फ अपने आरामदायक कमरों में नहीं रह सकते। इस दौर में हमें हर चीज का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।